▪ श्रावण कृष्ण - 14 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 10 ▪ अंक - 348 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 16-07-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 केन्द्र सरकार हिमाचल प्रदेश के लोगों को पर्याप्त सहायता देगी : नड्डा

6 कैप्टन नवपाल सिंह सिद्धू: आगे बढ़कर स्वीकार की चुनौती, 3 आतंकवादियों को किया ढेर

7 मीना कुमारी का किरदार निभाएंगी कीर्ति सैनन

फर्स्ट टेक

गौतम अडाणी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की

नई दिल्ली। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने शनिवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से राजधानी ढाका में मुलाकात की। अडाणी समूह ने एक बयान में कहा कि अडाणी की बांग्लादेश यात्रा झारखंड के गोड्डा में समूह के अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट (यूएससीटीपीपी) से पड़ोसी देश को बिजली आपूर्ति शुरू होने के बाद हुई है। अडाणी पॉवर लिमिटेड (एपीएल) ने 1,600 मेगावॉट की अपनी गोड्डा बिजली परियोजना से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति 10 अप्रैल से शुरू कर दी है। अडाणी समूह ने कहा, चेयरमैन गौतम अडाणी ने गोड्डा में समूह के बिजली संयंत्र से बांग्लादेश को पूर्ण क्षमता से बिजली आपूर्ति शुरू होने के बाद शनिवार को ढाका में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को अस्पताल ले जाया गया

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अस्पताल ले जाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि वह 'अच्छी स्थिति' में हैं, लेकिन उनकी चिकित्सीय जांच की जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने नेतन्याहू की हालत के बारे में और कोई विवरण नहीं दिया।

भारतीय मूल का युवक नाबालिग महिला मित्र पर हमले का दोषी

लंदन/भाषा। इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में अपनी किशोरी मित्र पर हमला करने का दोषी पाए जाने के बाद भारतीय मूल के 23 वर्षीय युवक को जेल की निलंबित सजा और पुनर्वास के आदेश दिए गए हैं। इस मामले में आरोपी सुनवाई के लिये वॉल्वरहैम्प्टन क्राउन कोर्ट में पेश हुआ। उस पर हमला करने, चोट पहुंचाने और पीड़िता के फोन को क्षति पहुंचाने का आरोप है। 'बर्मिंघम लाइव' की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिला न्यायाधीश एड्रियन लोअर ने आदेश में कहा कि दिसंबर 2021 में बस में और बस के बाहर अपनी किशोरी मित्र का पीछा करने और उस पर हमला करने के आरोप में युवक को सजा सुनाई गई है और अच्छे आचरण की शर्त पर उसकी सजा को दो साल के लिये निलंबित कर दिया गया है। न्यायाधीश ने अभियुक्त को 30 दिन के पुनर्वास में रहने एवं 200 घंटे अवैतनिक कार्य करने को भी कहा है।

सूर्यास्त 15-07-2023	सूर्योदय 16-07-2023
6:39 बजे	5:50 बजे

BSE	NSE
66,060.90 (+502.01)	19,564.50 (+150.75)

सोना	चांदी
6,178 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	81,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बस चुप्पी

जाति और वर्ग आधारित,
नेताओं को बस सहना है।
प्रतिभाओं को कमजोरों के,
सम्मुख झुक करके रहना है।
धर्मों की धाराओं में रम,
नासमझी के सँग बहना है।
मैं भारत का आम नागरिक,
मुझे नहीं कुछ भी कहना है।।

भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग द्विपक्षीय संबंधों का मजबूत स्तंभ : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस। भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग को संबंधों का एक मजबूत स्तंभ बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को संकेत दिया कि दोनों देश तीसरी दुनिया के मित्रवत देशों के लिए भी प्रमुख सैन्य साजोसामान का संयुक्त रूप से निर्माण करेंगे। मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ व्यापक वार्ता से पहले एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने कहा कि वार्ता में दोनों देशों द्वारा नयी प्रौद्योगिकियों के सह-उत्पादन और

सह-विकास पर चर्चा की जाएगी। मोदी ने भारत में हेलीकॉप्टर इंजन विकसित करने, कल पुर्जों के उत्पादन और एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) सुविधाओं की स्थापना के लिए फ्रांसीसी कंपनियों की योजनाओं का भी उल्लेख किया। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को फ्रांस से राफेल जेट के 26 नौसैनिक स्वरूप खरीदने और तीन फ्रांसीसी-डिज़ाइन वाली स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी।

प्रधानमंत्री ने कहा, रक्षा सहयोग हमारे घनिष्ठ संबंधों का एक मजबूत स्तंभ रहा है। यह दोनों देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। फ्रांस 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत पहल में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। उन्होंने कहा, आज हम नयी प्रौद्योगिकियों से संबंधित सह-उत्पादन के बारे में चर्चा करेंगे। मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष तीसरी दुनिया के मित्रवत देशों के लिए भी सैन्य उपकरण तैयार कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद के साथ व्यापक बातचीत की

अबू धाबी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान के साथ दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए व्यापक बातचीत की। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि दोनों देश अपनी मुद्राओं में व्यापार शुरू करने पर सहमत हुए हैं। यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मोदी ने कहा कि पिछले साल व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर

हस्ताक्षर के बाद से भारत-यूएई व्यापार में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की मुद्राओं में व्यापार के लिए शनिवार को हस्ताक्षरित समझौता दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग और आपसी विश्वास को दर्शाता है। दोनों देशों की मुद्राओं में व्यापार पर यूएई के साथ समझौते से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी ने कहा कि उन्हें शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान से हमेशा भाई का प्यार मिला। उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति से कहा, जिस तरह से हमारे देशों के बीच संबंधों का विस्तार हुआ है, उसमें आपका बहुत बड़ा योगदान है।

यात्रा के बाद स्वदेश लौटे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सफल यात्रा के बाद शनिवार को स्वदेश लौट आए। मोदी फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस समारोह के तहत शुक्रवार को आयोजित बैस्टिल दिवस परेड में राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे। भारत और फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर तीनों सेनाओं के एक दल ने भी इस परेड में हिस्सा लिया था। भारत और फ्रांस ने अंतरिक्ष, नागरिक उड्डयन, संग्रहालय विज्ञान, पेट्रोलियम और व्यापार जैसे विविध क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक दायरा आवश्यक : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने सभी स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक और परिपूर्ण दायरा सुनिश्चित करने की आवश्यकता बल देते हुए शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में लोक भागीदारी देश को टीबी मुक्त बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मांडविया ने शनिवार को देहरादून में दो दिन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य चिंतन शिविर के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सार्वभौमिक बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए और किसी भी वर्ग या व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाना चाहिए। चिंतन शिविर में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल,

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग आदि सहित अनेक राज्यों के स्वास्थ्यमंत्री एवं वरिष्ठ उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान पर मांडविया ने कहा कि लोक भागीदारी देश में टीबी के बोझ को खत्म करने के लिए एक बहुत ही आवश्यक गतिविधि है। उन्होंने राज्यों से टीबी उन्मूलन को प्राथमिकता देने तथा इसमें और अधिक गति लाने का अनुरोध किया।

उन्होंने राज्यों से विकलांगता प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाकर देश की दिव्यांग आबादी की सहायता करने का भी आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने सभी स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक और परिपूर्ण दायरा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे कि कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रह जाए।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन आयुष्मान भव, राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम, खसरा और रूबेला उन्मूलन तथा पीसीपीएनडीटी अधिनियम से लेकर वर्तमान स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न पहलुओं पर सत्र आयोजित किए गए।

टमाटर का भाव 250 रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली। मानसून की भारी बारिश और आपूर्ति प्रभावित होने से शनिवार को प्रमुख शहरों के खुदरा बाजारों में टमाटर की कीमतें 250 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच गईं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, टमाटर की अखिल भारतीय औसत कीमत लगभग 117 रुपये प्रति किलोग्राम रही। खुदरा उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए केंद्र सरकार दिल्ली-एनसीआर, पटना और लखनऊ जैसे चुनिंदा शहरों में 90 रुपये प्रति किलोग्राम की छूट पर टमाटर बेच रही है। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) केंद्र की ओर से मोबाइल वैन के जरिये रियायती दर पर टमाटर बेच रहे हैं।

राहुल गांधी ने मानहानि मामले में उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'मोदी सरनेम' की टिप्पणी को लेकर मानहानि का दोषी ठहराए जाने के मामले में निचली अदालत के फैसले पर मुहर लगाने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उच्च न्यायालय ने सात जुलाई को मानहानि मामले में गांधी के दोषसिद्धि को निलंबित करने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। राहुल गांधी की वर्ष 2019 की यह टिप्पणी कि 'सभी चोरों के उपनाम मोदी क्यों होता है के लिए निचली अदालत ने मानहानि का दोषी माना था और दो साल की सजा सुनाई थी। इस फैसले को गांधी ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन सजा पर रोक लगाने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। इससे पहले 12 जुलाई को कांग्रेस नेता के खिलाफ गुजरात के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी ने उच्चतम न्यायालय में एक 'कैविएट' दायर की थी। मोदी की मानहानि की शिकायत के बाद अदालत ने गांधी को दोषी ठहराया था। इसकी वजह से

भारत जल्द बनेगा दुनिया में कौशल का केंद्र : चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने विश्व युवा कौशल दिवस पर शनिवार को देश के युवाओं को पेशेवर हुनर के साथ सशक्त बनाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि नया भारत जल्द ही पूरी दुनिया के लिए कौशल का केंद्र बनेगा।

राजीव चंद्रशेखर ने एक ट्वीट के जरिये कहा,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हमेशा हमारे यंग इंडियंस (देश के युवाओं) को लगातार स्किलिंग, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग के साथ भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, 'विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर, हम प्रेशेवर कौशल के साथ भारत के युवाओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं जिससे नया भारत जल्द ही विश्व के लिए स्किल हब (कौशल का केंद्र) बन जाए।'

संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 में विश्व युवा कौशल दिवस की थीम परिवर्तनकारी भविष्य के लिए शिक्षकों, प्रशिक्षकों और 'युवाओं को कुशल बनाना' रखी है।

कूनो में ही रहेंगे चीते, सफल रहेगी परियोजना

भोपाल। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शनिवार को कहा कि चीते मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में ही रहेंगे और यह परियोजना सफल होगी। मंत्री ने कहा, 'हम अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों सहित अन्य विशेषज्ञों के संपर्क में हैं। हमारी टीम वहां का दौरा करेगी। चीतों को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा और वे कूनो में ही रहेंगे।' यादव की यह टिप्पणी चीता परियोजना पर कुछ विशेषज्ञों द्वारा व्यक्त की गई चिंता के बीच आई है। एक विशेषज्ञ ने कहा है कि हाल की कुछ मौतें संभवतः रेडियो कॉलर के कारण होने वाले संक्रमण के कारण हो सकती हैं। भारत में दो दशकों से अधिक समय से वन्यजीव संरक्षण में रेडियो कॉलर का उपयोग किया जा रहा है।

बदलते समय के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करें विश्वविद्यालय : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ज्ञान और शिक्षा को सामाजिक एवं आर्थिक विकास का साधन बताते हुए शनिवार को कहा कि शिक्षाविदों, प्रशासकों एवं शैक्षणिक संस्थाओं को शैक्षिक क्षेत्र में बदलावों को अपनाते हुए बदलते समय की उभरती जरूरतों के अनुसार एक प्रगतिशील पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए।

ओम बिरला ने शनिवार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की एक प्रतिमा का अनावरण करने के बाद छात्रों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि आजादी के बाद प्रारंभिक दिनों में संविधान निर्माताओं के सामने चुनौतियां बहुत बड़ी थीं क्योंकि भारत न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा था, बल्कि साक्षरता का स्तर भी बहुत कम था।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में बाबा साहब ने शिक्षा और सामाजिक न्याय नवोदित लोकतंत्र की प्रगति के लिए सर्वोपरि बताया था और लोगों के जीवन में उनके महत्व पर जोर दिया था। बिरला ने कहा कि समानता और न्याय के आदर्श बाबासाहेब के दिल के सबसे करीब थे और यह भारतीय लोकतंत्र को लगातार मजबूत करते हैं।

शिक्षा के प्रसार में इग्नू के योगदान का जिक्र करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 38 वर्षों में इग्नू ऐसे छात्रों के लिए आशा की किरण बनकर खड़ा हुआ है जो अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए नियमित कॉलेज जाने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि इग्नू ने देश में उच्च शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

यमुना में घट रहा है जलस्तर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। नई दिल्ली में यमुना नदी में जलस्तर घट रहा है और शहर में या ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में अभी भारी बारिश के आसार नहीं हैं। मंडलायुक्त अश्वनी कुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ग्रस्त इलाकों में भी हालात में सुधार हो रहा है। दिल्ली के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद यमुना में जलस्तर खतरे के निशान के पार चला गया जिससे कई इलाके जलमग्न हो गए और निचले इलाकों में रह रहे हजारों

लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा। कुमार ने कहा, यमुना में जलस्तर घट रहा है और हमें दिल्ली तथा ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में अभी भारी बारिश का अनुमान नहीं है। प्रभावित इलाकों में भी हालात में सुधार आ रहा है। यमुना में तीन दिन तक जलस्तर लगातार बढ़ने के बाद शुक्रवार से इसमें कमी आनी शुरू हुई। शनिवार को सुबह 10 बजे तक जलस्तर कम होकर 207.43 मीटर पर पहुंचा जबकि बृहस्पतिवार रात आठ बजे यमुना का जल स्तर 208.66 मीटर था। बहरहाल, यमुना अब भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से दो मीटर ऊपर बह रही है।

भारत ने चंद्रयान अभियानों से हासिल की है महत्वपूर्ण उपलब्धि : सिंह

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि जिन देशों ने चंद्रमा पर अब तक अन्वेषण कार्य किया है, वे अब तक उस तरह की उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये हैं जो चंद्रयान अभियानों के दौरान भारत ने अर्जित की है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री सिंह ने यहां कहा कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा शुरू किए गए चंद्रयान

मिशन' ने भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के मामले में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए अपने तीसरे चंद्र 'मिशन-चंद्रयान-3' का सफल प्रक्षेपण किया था।

इस अभियान के तहत यानी 41 दिन की अपनी यात्रा में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर एक बार फिर 'सॉफ्ट लैंडिंग' का प्रयास करेगा जहां अभी तक कोई देश नहीं पहुंच पाया है।

आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश

राजौरी/जम्मू। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों - राजौरी और पुंछ में आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए प्रयास तेज करने का आह्वान किया। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस उप महानिरीक्षक (राजौरी-पुंछ रेंज) मोहम्मद हसीब मुगल ने आतंकवाद-रोधी अभियानों की व्यापक समीक्षा करने और दोनों जिलों में खुफिया नेटवर्क के कामकाज की निगरानी के लिए बुलाई गई एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

सहज स्मृति योग

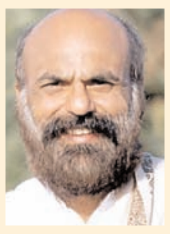

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मैं सपरिवार आई थी तब मेरे पति ने... कर्म क्या है, पुत्री ने... ईश्वर क्या है और मैंने... पुण्य और पाप क्या है? ये प्रश्न पूछे थे। आपने दृष्टांत देकर जो समझाया था वह हृदय में बस गया है। घर आई तो एक हूक मन में उठी कि मैं सर्वज्ञ तो हूँ नहीं्।फिर, जैसा निष्कर्म-कर्म आपने बताया वैसा, मुझे कब और कहाँ, कैसे और किसके प्रति, कितना? क्या और क्यों ? करना चाहिए्। यह कैसे पता चलेगा ?

उत्तर: हरेक स्थिति और परिस्थिति में हो रहे व्यवहार को हमारे परम हितार्थ परिभाषित, व्याख्यायित कर उसे वाणी देना गुरु का दायित्व है ताकि आश्रित और समर्पित मुमुक्षुओं की दृष्टि में उनके विहार, व्यवहार, और व्याहर करने में दिशा और संकेत स्पष्ट बने रहें और वे अपना जीवन काल योगारूढ़ होकर व्यतीत कर पाएं और दीर्घकालिक सत्संग से यह पता हो भी जाता है।

जिस सर्वज्ञ का आप संकेत कर रही हैं और अन्य सब ही जिसे ढूँढते फिरते हैं, आध्यात्मिक अवस्था विशेष के आधार पर उसे ही सर्वव्यापी, परमात्मा, परम अकर्ता, दृष्टा, अदृष्ट-दृष्टा, ईश्वर, पुरुष, आत्मा, ऋषि, शुद्धचैतन्य, प्रज्ञा आदि अनेकों संज्ञाओं से, अज्ञात-काल से अखंडित गुरु शिष्य संबंध के माध्यम से स्पष्ट रूप से इंगित किया जाता आया है। सुपात्रता होने पर एक से दूसरे में पूर्णतः संप्रेषित किया जाता आ रहा है और यह तो सनातन लोकप्रतिष्ठित आध्यात्मिक सिद्धांत है ही कि तत्वतः तो सब ही परम् अवस्था में वह' ही हैं्।किंतु, अनुभूति होने के पूर्व तक वही होते हुए भी सब वही नहीं हैं्।उसी परम अवस्था को परम समर्पित शिष्य, परम् सद् समर्थ गुरु कृपा से पाते आते हैं्। बस इसी हेतु यात्रा है जो, उस क्षण आरंभ हो जाती है जिस क्षण व्यक्तिरूप हम उस मनुष्य को पहचान लेते हैं जो हम में परमात्मा का प्रत्यक्ष दर्शन करने में समर्थ हो। जब हमें उसमें परमात्मा का दर्शन हो जाता है तो मंज़िल साथ चलने लगती है।

निवारक हिरासत पर कानून सख्त हैं, प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि निवारक हिरासत को लेकर कानून सख्त हैं और ये ऐसे किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाते हैं जिसे बिना मुकदमे के सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है इसलिए निर्धारित प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने एक व्यक्ति की रिहाई का आदेश देते हुए यह टिप्पणी की जिसकी हिरासत अधिकारियों द्वारा उसके अभ्यावेदन पर विचार किये बिना दो बार बढ़ा दी गई थी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने झारखंड उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें प्रकाश चंद्र यादव उर्फ मुंगेरी यादव की हिरासत को बरकरार रखा गया था। यादव को झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम, 2002 के तहत 'असामाजिक तत्व' घोषित किया गया था। पीठ ने 10 जुलाई को दिये अपने आदेश में कहा कि कानून की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और यादव को झारखंड के साहिबगंज जिले की राजमहल जेल से रिहा करने का आदेश दिया।

पीठ ने कहा, 'निवारक हिरासत को लेकर सभी कानून कठोर हैं। वे ऐसे किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाते हैं, जिसे बिना किसी मुकदमे के सलाखों के पीछे रखा जाता है। ऐसे मामलों में, एक बंदी के पास केवल कानूनी प्रक्रिया ही होती है।' झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम, 2002 अधिनियम असामाजिक तत्वों के निर्वासन और हिरासत से संबंधित है। अधिनियम के प्रावधानों के तहत, राज्य सरकार किसी असामाजिक तत्व को अवांछित गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए उसे हिरासत में ले सकती है। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता की तीन महीने की अवधि से अधिक हिरासत की अवधि अनधिकृत और अवैध थी। उसने कहा, सात नवंबर, 2022 और सात फरवरी, 2023 के आदेश, जिनमें हिरासत की अवधि बढ़ा दी गई थी, को रद्द कर दिया गया है। झारखंड उच्च न्यायालय की खंडपीठ के दो मार्च, 2023 और एकल न्यायाधीश के दो नवंबर, 2022 के आदेशों को भी खारिज कर दिया गया है। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड के अपर महाधिवक्ता अरुणाभ चौधरी की इस दलील से सहमति जताई कि आठ अगस्त, 2022 के प्रारंभिक हिरासत आदेश को चुनौती देने का कोई आधार नहीं है और कहा कि यादव ने केवल बाद के आदेशों को चुनौती दी है, जिनमें हिरासत की अवधि को बढ़ाया गया था।

ये आदेश सात नवंबर, 2022 और सात फरवरी, 2023 को दिए गए थे, जिनमें यादव की हिरासत को क्रमशः तीन और छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया था।

पीएमएवाई मानदंड
शिंदे ने आय सीमा बढ़ाने के लिए मोदी को दिया धन्यवाद

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) मानदंड के तहत आय सीमा बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी को धन्यवाद दिया। शिंदे ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए पीएमएवाई के तहत किफायती घरों की आय सीमा बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद, आय सीमा अब तीन लाख रुपये से बढ़कर छह लाख रुपये हो गई है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से उन लाखों नागरिकों को राहत मिली है जिन्होंने म्हाडा, सिडको घरों के लिए आवेदन किया है और इससे आम आदमी को एमएमआर में सही घर के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी। पीएमएवाई (सिविल) के तहत शिंदे ने 21 जून 2023 को केंद्र को पत्र लिखा था जिसका पालन उपमुख्यमंत्री फड़नवीस ने किया था। शिंदे ने कहा,इस अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्र ने राज्य सरकार को सूचित किया है कि पीएमएवाई के लिए आय मानदंड बढ़ा दिया गया है।

तोमर की नियुक्ति पर शिवराज ने जतायी प्रसन्नता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति का संयोजक बनाए जाने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। चौहान ने ट्वीट के जरिए कहा कि वे श्री तोमर की नियुक्ति पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

श्री चौहान ने कहा कि श्री तोमर के नेतृत्व में संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। साथ ही भाजपा की प्रचंड जीत का जो लक्ष्य है, वह भी निःसंदेह पूरा होगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी श्री तोमर को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि उनके वृहद संगठनात्मक अनुभव एवं कौशल का लाभ संगठन को मिलेगा।

श्री शर्मा ने कहा कि श्री तोमर के कौशल के साथ ही भाजपा सरकार की जनहितैषी नीतियों और संगठन तंत्र की शक्ति आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के 51 प्रतिशत वोट शेयर और '200 पार' का लक्ष्य हासिल कर सरकार बनाएगी। प्रदेश सरकार के मंत्रियों और भाजपा नेताओं ने भी श्री तोमर की नियुक्ति पर बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

राखी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सीहोर जिले के आष्टा में शनिवार को 'लाडली बहना सम्मेलन' में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बड़ी राखी भेंट करती बहनें।

अजित पवार की बढ़ सकती हैं कानूनी मश्किलें, एसची में पीआईएल पर 21 जुलाई को सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार को कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि बंबे उच्च न्यायालय वकील नानासाहेब जाधव की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय की है।

सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि श्री जाधव ने यह याचिका जित, उनके चाचा एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस (राकांपा) प्रमुख शरद पवार तथा पार्टी की नेता सुप्रिया सुले के खिलाफ लवासी हिल स्टेशन के विकास में कथित अनियमिताता में उनकी भूमिका लेकर दायर की है। जाधव ने 12 जुलाई के यह याचिका कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश नितिन जामदार तथा न्याया आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ के समक्ष दायकर दी थी और इस मामले में तत्काल सुनवाई की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि श्री अजित उप मुख्यमंत्री बन गए हैं और अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके संबंधित दस्तावेजों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अजित पवार हाल में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बने हैं।

नागलोक में होता है जहरीले सांप का भी उपचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पत्थलगांव। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नागलोक के नाम से चर्चित पत्थलगांव क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में सर्पदंश के मरीजों के सघन उपचार के साथ घायल जहरीले सांपों का भी उपचार किया जा रहा है। पशु चिकित्सा विभाग के प्रमुख चिकित्सक दिलीप खलखो ने शनिवार को यूनीवार्ता को बताया कि सांपों का रेस्क्यू ऑपरेशन करने वाली टीम के सदस्यों ने आज एक गंभीर रूप से घायल नाग को पशु चिकित्सालय कोतबा ले जाकर उसका उपचार कराया। इसके बाद उसे सकुशल जंगल में छोड़ दिया।

उन्होंने कहा कि कोई अगर सरकारी अस्पताल में बेहद जहरीला घायल सांप का भी उपचार होते देखे, तो भयवश निश्चित ही उसके रोंगटे खड़े हो जाऐंगे। दरअसल, पत्थलगांव क्षेत्र में सांपों का रेस्क्यू ऑपरेशन करने वाली टीम के प्रमुख मयंक शर्मा का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सांपों की उपस्थिति भी आवश्यक है। इसी वजह वे वन कर्मियों के साथ सांपों का रेस्क्यू के बाद उन्हें सुरक्षित जंगल में छोड़ देते हैं। बरसात के मौसम में पत्थलगांव, कोतबा और कांसाबेल क्षेत्र में किसानों के खेत खलिहान और घरों में आए दिन जहरीले सांप दिखाई दे जाते हैं। घरों में सांप दिखने के बाद लोग सांप पकड़ने वाले दल को सूचित करते हैं और ऐसे में कई बार सांप घायल भी हो जाते हैं।

'गैर संहिताबद्ध मुस्लिम पर्सनल लॉ ने महिलाओं के लिए चुनौती पैदा की है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शनिवार को एक चर्चा के दौरान कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ की गैर संहिताबद्ध प्रकृति की वजह से उसकी गलत व्याख्या होती है और यह मुस्लिम महिलाओं के समक्ष उल्लेखनीय चुनौती पेश करता है।

एनसीडब्ल्यू ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों पर चर्चा आयोजित की थी जो खासतौर पर मुस्लिम पर्सनल लॉ की समीक्षा पर केंद्रित थी। विचार विमर्श की यह प्रक्रिया विधि आयोग द्वारा विभिन्न संगठनों और लोगों से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विचार आमंत्रित करने की पृष्ठभूमि में हुई। एनसीडब्ल्यू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ की गैर-संहिताबद्ध प्रकृति के नकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला, जिसी वजह से उनकी गलत व्याख्या हुई और मुस्लिम महिलाओं के लिए चुनौतियां पैदा हुईं। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने एक बयान में संहिताबद्ध कानूनों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने सवाल किया कि क्या जो कानून हिंदू, ईसाई, सिख और बौद्ध महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने में विफल रहा है, क्या उसे केवल मुस्लिम महिलाओं के लिए माना जा सकता है? बयान में कहा गया है कि संहिताबद्ध कानूनों की आवश्यकता है, साथ ही एक ऐसे कानूनी प्रारूप की दिशा में काम करने की जरूरत है जिसमें सभी के लिए समान अधिकारों की गारंटी हो, भले ही वे किसी भी धर्म से संबंध रखते हों।

दिल्ली में आई आपदा मोदी सरकार की ओर से प्रायोजित : 'आप'

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को एक बार फिर दोहराया कि दिल्ली में आई बाढ़ प्राकृतिक आपदा नहीं थी बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मोदी सरकार द्वारा प्रायोजित आपदा है। 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, दिल्ली में आई बाढ़ प्राकृतिक आपदा नहीं, एक प्रायोजित आपदा है। पिछले छह दिनों से दिल्ली में बारिश नहीं हुई है। अगर बारिश के पानी का इंतजाम करने में हमसे कहीं कमी रह जाती, तब बात समझ में आती है। मगर यह कैसे हुआ कि दिल्ली में बारिश ही नहीं हुई और पानी खतरे ने निशान से ऊपर पहुंच गया, सारे रिकॉर्ड टूट गए और दिल्ली में बाढ़ आ गई। असल में यह भाजपा द्वारा प्रायोजित संकट है। नौ से 13 जुलाई तक हरियाणा में ईस्टर्न और वेस्टर्न कैनाल में पानी नहीं छोड़ा गया। हथिनीकुंड बैराज की लॉगशीट साफ कह रही है कि पानी को ईस्टर्न और वेस्टर्न कैनाल में नहीं छोड़ा गया, बल्कि सारा पानी सिर्फ दिल्ली में छोड़ा गया है।

त्रिपुरा में 75 सीमावर्ती गांवों का नाम स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर रखने का मिशन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने शनिवार को बंगलादेश से लगने वाली 856 किमी लंबी सीमा पर राज्य के 75 गांवों का नाम बदलकर देश के स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर रखने के मिशन की शुरुआत की। साहा ने शनिवार को दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम में सीमावर्ती गांव का नाम बदलने के मिशन 75 सीमांत ग्राम 'क्रांति वीरों के नाम' का शुभारंभ किया। उन्होंने देश के स्वतंत्रता आंदोलन के भूले हुए नायकों को याद करने में सक्षम बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, देश अब उन गुमनाम नायकों को याद कर रहा है जिन्हें पहले उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद नजरअंदाज कर दिया गया था। हमने सुशासन सुनिश्चित करने के लिए हर परिवार तक पहुंचने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया और पिछले वर्ष 15 अगस्त को हमने लोगों को आजादी के मूल्य के प्रति जागरूक करने को लेकर 'हर घर में राष्ट्रीय तिरंगे' को फहराये जाने के लिए 'हर घर तिरंगा' भी चलाया था। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा बंगलादेश के साथ एक अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है और राज्य सरकार ने यहां के 75 गांवों का चयन देश के स्वतंत्रता आंदोलन पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कराये जाने को लेकर किया है। जिसकी शुरुआत 12 मार्च 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने का कार्यक्रम इस साल 15 अगस्त तक पूरा कर लिया जायेगा। सीमावर्ती गाँव सभी आठ जिलों में फैले हुए हैं।

यह राजनीति नहीं बल्कि बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने का समय है : ईटीओ

जंडियाला गुरु। पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने विपक्ष द्वारा की जा रही बयानबाजी पर प्रतिक्रिया व्यक्त हुए कहा है कि यह समय राजनीति करने की बजाए प्रभावित लोगों की सहायता करने का है। मंत्री ने शनिवार को अपनी पूरी टीम के साथ जंडियाला गुरु के गांव फ़तेहपुर राजपूत, छपरा राम सिंह, नजौनी, लालका नगर, निज़ामपुर, महन्या ब्राह्मणों का दौरा किया और चल रहे और संरक्षण कार्यों का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि जंडियाला गुरु विधानसभा क्षेत्र के जो गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, उन्हें हरसंभव मदद मुहैया कराई गयी है। पूरा प्रशासन और उनकी टीम लोगों की मदद के लिए 24 घंटे काम कर रही है। सिंह ने कहा कि यह राहत की बात है कि अब पानी का स्तर कम हो रहा है लेकिन इसके बाद बीमारियां फैलने का भी डर है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी परामर्श का पालन करना होगा।

दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध भगवान महाकालेश्वर मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करती हुईं मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी सुश्री उमा भारती।

'अद्भुत कृति 'श्रीमद्भगवतगीता' के दोहानुवाद को घर-घर पहुंचाना जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रख्यात दोहाकार डॉ जगमोहन शर्मा ने कहा है कि भारतीय मेधा जटिलता को स्वीकार नहीं करती, यहां गूढ़ से गूढ़ बातों को सरल, संक्षिप्त भाषा में कहने और समझाने की परंपरा रही है। डॉ शर्मा ने साहित्य अकादेमी के सभागार में अपनी पुस्तकों श्रीमद्भगवद्गीता-दोहा रूपांतरण और महाकवि कालिदास के 'मेघदूतत' पर आधारित 'यक्षप्रिया की पाती' के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि इसीलिए समाज में दोहों की इतनी व्यापक स्वीकृति है। संस्कृत के इन महाकाव्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इसके दोहांतरण की आवश्यकता है

उन्होंने दोहा परंपरा पर कहा, दोहा संतों की विधा है, कथनी करनी एक। शुद्ध हृदय मन आत्मा, दोहे लिखो अनेक। कार्यक्रम की अध्यक्षता हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रधानाचार्य और वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. रमा ने की विशिष्ट वक्ता के रूप में 'दोहापुरुष' कहे जाने वाले नरेश शांडिल्य और वरिष्ठ दोहाकार सोमदत्त शर्मा ने इस मौके पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन हंसराज कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रभांषु ओझा ने किया। इस दौरान सुधी पाठकों को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रभात प्रकाशन और हंसराज कॉलेज लिटरेरी सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं हंसराज कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रो. रमा ने कहा, गीता सबके लिए संजीवनी है। इसमें जीवन प्रबंधन के सारे मंत्र हैं। आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा की सबसे अद्भुत कृति 'श्रीमद्भगवद्गीता' का भी घर-घर पहुंचना जरूरी है। उन्होंने कहा, आजकल कविता का शिल्प बदल रहा है। गीता जैसे विशुद्ध ज्ञान के ग्रंथ जिसके एक-एक श्लोक पर पुस्तकें लिखी जा सकती हैं, उसका इतना सरल और स्पष्ट दोहांतरण कर डॉ शर्मा ने गागर में सागर भरने का काम किया है। संस्कृत के इन महाकाव्यों के गूढ़ ज्ञान को दोहों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का यह अनुकरणीय कार्य वर्षों की साधना का परिणाम है। इन किताबों की विशिष्टता इसमें है कि दोहांतरण के दौरान भी इन कृतियों के मूल कथातत्त्व

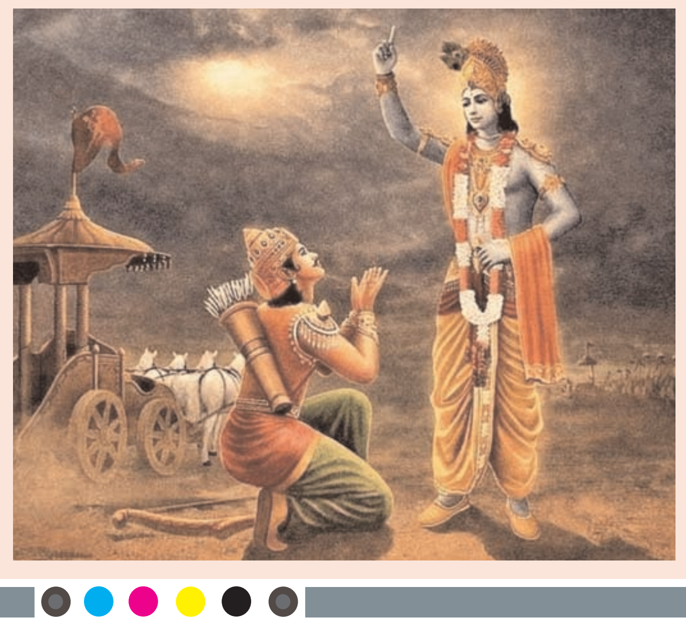

को उन्होंने अपने अनुवाद में अक्षुण्ण रखा है।

विशिष्ट वक्ता और दोहों का आधुनिक कबीर कहे जाने नरेश शांडिल्य ने कहा, यक्षप्रिया की पाती प्रेम और विरह का अद्भुत ग्रंथ है। यहां कवि की कल्पनाशीलता विलक्षण है। रामटेक से अलकापुरी तक की जो यात्रा है, वह एक करुण वृत्तांत है। प्रेम विरह के बिना पूर्ण हो ही नहीं सकता।

उन्होंने कहा, हिंदी साहित्य के आलोचकों का एक धड़ा प्रेम को खारिज करता है। लेकिन प्रेम से बचा कैसे जा सकता है। 'मेघदूत' के प्रेम और विरह के छंदों के अनुवाद में दोहाकार की कलम खुल कर चली है।

उन्होंने कहा कि वे खुद भी 'श्रीमद्भगवद्गीता' दोहांतरण कर रहे हैं, ऐसे में यह पुस्तक उनके लिए प्रसाद है।

विशिष्ट वक्ता सोमदत्त शर्मा ने कहा, श्रीमद्भगवद्गीता के विशुद्ध ज्ञान को दोहे में उतार देना असाधारण साहस का काम है। यक्ष प्रिया की पाती में दोहाकार ने पूरी मौलिकता और तन्मयता के साथ इसमें डूब कर लिखा है। इतनी स्पष्टता और लावण्य विरल है। किसी कृति की सफलता इसमें है कि वह पाठक को अपनी कल्पना शक्ति के उपयोग के लिए मजबूर करे और यक्ष प्रिया की पाती में कवि इसमें पूरी तरह सफल हुए हैं।

उन्होंने कहा, यक्ष प्रिया की पाती में दोहों की तेरह और ग्यारह मात्राओं का शब्दशः पालन करते हुए भी डॉ. जगमोहन शर्मा ने कविता का आनंद और सौंदर्य अक्षुण्ण रखा है। यह दोहे की विधा पर उनकी असाधारण पकड़ और उनके रचनात्मक सामर्थ्य को रेखांकित करता है।

स्टालिन ने मदुरै में कलैगनार सेंटेनरी लाइब्रेरी का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने शनिवार को मदुरै के न्यू नाथम रोड पर छह मंजिला अत्याधुनिक कलैगनार सेंटेनरी लाइब्रेरी का उद्घाटन किया, जो एशिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी बताया जा रहा है। दो लाख वर्ग फुट में फैले इस विशाल पुस्तकालय का निर्माण 120 करोड़ रुपये की लागत से किया गया, जिसका नाम पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके के संस्थापक दिवंगत एम.करुणानिधि, जिन्हें बहुमूखी प्रतिभा के कारण कलैगनार के नाम से भी जाना जाता है, के नाम पर रखा गया। इस वर्ष श्री करूणानिधि की जन्म शताब्दी मनायी जा रही है।

स्टालिन ने करुणानिधि की एक प्रतिमा का भी अनावरण किया, उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में लाइब्रेरी परिसर में स्थापित किया गया है। उनकी 5,000 से अधिक पुस्तकों का एक अलग खंड भी स्थापित किया गया है।

स्टालिन ने पिछले साल 2.7 एकड़ क्षेत्र में फैले पुस्तकालय की आधारशिला रखी थी और इसका निर्माण 12 महीने के रिकॉर्ड समय में किया गया है।

स्टालिन ने द्रमुक कार्यकर्ताओं को लिखे एक पत्र में कहा कि पुस्तकालय दक्षिणी जिलों के लोगों के लिए ज्ञान का मंदिर होगा और युवाओं को तकनीकी कौशल हासिल करने के साथ-साथ पढ़ने की आदत विकसित करने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें आज यानि 15 जुलाई को दिवंगत कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के.कामराज की जयंती पर पुस्तकालय का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है क्योंकि इस दिवस को राज्य में शिक्षा विकास दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने चेन्नई में अन्ना सेंटेनरी लाइब्रेरी की तर्ज पर लाइब्रेरी के निर्माण के लिए मंत्री ई वी वेलु और अनबिल महेश पोय्यामोझी के प्रयासों की भी सराहना की। पूरी तरह से वातानुकूलित लाइब्रेरी में लगभग 3.3 लाख किताबें होंगी और इसमें विभिन्न सुविधाएं और सेवाएं होंगी। यह चेन्नई में अन्ना सेंटेनरी लाइब्रेरी की तर्ज पर मदुरै में एक ऐतिहासिक संरचना के रूप में काम करेगी। पुस्तकालय विज्ञान, इतिहास, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न वर्गों में संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाएं और प्रकाशन भी पेश करेगा। लाइब्रेरी में मुफ्त वाई-फाई, आराम से पढ़ने के लिए तीसरी मंजिल पर एक छत वाला बगीचा, 500 सीटों वाला सभागार, छठी मंजिल पर 14,000 से अधिक दुर्लभ पुस्तकों वाला एक खंड तथा बच्चों को सीखने में मदद करने के लिए वैज्ञानिक उपकरणों का खंड भी उपलब्ध है।

यहाँ 28 लाख रुपये की लागत से एक कैफेटेरिया भी स्थापित किया गया है, जबकि पार्किंग सुविधा में बेसमेंट में 50 से अधिक कारों और 200 दोपहिया वाहनों को रखा जा सकता है। यह इमारत दिव्यांगों के लिए अनुकूल है और इसमें भूतल पर एक समर्पित अनुभाग, दो लिफ्ट और प्रत्येक मंजिल पर उनके लिए डिज़ाइन किए गए शौचालय हैं। पुरुषों और महिलाओं के लिए शौचालयों के अलावा, थर्ड जेंडर के लिए भी एक अलग शौचालय बनाया गया है।

जहां तक दृष्टिबाधित लोगों की बात है, स्पर्शनीय टाइल वाला फर्श उन्हें इमारत में आसानी से घूमने में मदद करेगा। बच्चों को आकर्षित करते हुए, पहली मंजिल पर उनके लिए एक निर्दिष्ट अनुभाग में लगभग 20,000 किताबें रखी गई हैं। चार से बारह वर्ष की आयु के बच्चे इसे पसंद करेंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि इंटरैक्टिव फर्श और डिजिटल पहलुओं के साथ रंगीन दीवारों वाला बच्चों का थिएटर कई मुख्य आकर्षणों में से एक है। इसमें एक किड्स स्क्रीनिंग थिएटर, किड्स साइंस लैब, किड्स सेक्शन, ओपेक और कॉन्फ्रेंस हॉल भी है।

लोगों को आकर्षित करने के लिए लाइब्रेरी को सौंदर्यपूर्ण ढंग से डिजाइन किया गया है। आगंतुकों के लिए तमिल संस्कृति की झलक पाने के लिए एक आर्ट गैलरी और 3,000 वर्ग फुट में फैला एक प्रांगण पुस्तकालय के अन्य मुख्य आकर्षणों में से हैं।

जो लोग शांति से पढ़ना चाहते हैं, उनके लिए दो मंजिलों पर अपना खुद पढ़ें' अनुभाग भी आवंटित किया गया है। लाइब्रेरी में कई अन्य सुविधाएं हैं, जैसे आर्ट गैलरी, बहुउद्देश्यीय हॉल, इंटरैक्टिव फर्श के साथ बच्चों का थिएटर, 700 लोगों को समायोजित करने की क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल भी है। लाइब्रेरी की कुछ आकर्षक विशेषताओं में उड़ान संचालन का आभासी वास्तविकता अनुभव शामिल है। ई-लाइब्रेरी के लिए पुस्तकों को डिजिटल बनाने और दृष्टिबाधित लोगों को आनंद लेने में सक्षम बनाने के लिए सभी पुस्तकों को प्रारूपित करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुस्तकालय में बच्चों के लिए समय-समय पर सत्र, स्वयं सहायता समूहों के लिए कार्यशालाएँ और बेरोजगार युवा एवं छात्र के लिए समय-समय पर कार्यक्रम भी होंगे।

स्वास्थ्य मंत्री ने देहरादून में स्वास्थ्य सम्मेलन में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने शनिवार को उत्तराखंड के देहरादून में सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ 15वें स्वास्थ्य सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया का अभिनंदन किया और तमिलनाडु की ओर से केंद्र सरकार को 14 मांगें दीं। राज्य ने मेडिकल पाठ्यक्रमों और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के लिए प्रवेश नीति पर आपत्ति जताई है। इस संबंध में, तमिलनाडु ने यह भी मांग की है कि सभी रिक्त अखिल भारतीय कोटा एमबीबीएस सीटें राज्य को सौंप दी जानी चाहिए।

आपत्ति पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन के मसौदे पर भी उठाई गई है, जिसे हाल ही में जनता की राय के लिए प्रसारित किया था। तमिलनाडु ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा प्रस्तावित सामान्य परामर्श और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग विनियम, 2023 के मसौदे पर भी आपत्ति व्यक्त की है, जिन्हें हाल ही में जनता की राय के लिए प्रसारित किया गया था। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए, स्वास्थ्य मंत्री ने कोयंबटूर में एक नए एम्स अस्पताल, छह जिलों में नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और तमिलनाडु में सरकारी मेडिकल कॉलेज परिसर में नए सरकारी नर्सिंग कॉलेजों के लिए भी अनुरोध किया है।

'पलानीस्वामी को शशिकला, पनीरसेल्वम और मुझसे माफी मांगनी चाहिए'

चेन्नई। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) प्रमुख टीटीवी दिनाकरन ने शनिवार को कहा कि उनकी चाची वीके शशिकला, पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम (ओपीएस), तथा उसे धोखा देने के लिये अन्नाद्रमुक महासचिव ए. के. पलानीस्वामी (ईपीएस) को माफी मांगनी चाहिए। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दिनाकरन ने पलानीस्वामी या उनके समर्थकों का नाम लिए बिना कहा कि उन्होंने शशिकला, पन्नीरसेल्वम और उन्हें धोखा दिया।

एएमएमके प्रमुख ने ईपीएस पर तीनों के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। हालांकि उन्होंने स्पष्ट रूप से पलानीस्वामी का उल्लेख नहीं किया। कुछ दिन पहले, जब पन्नीरसेल्वम ने कोडनाड डकैती-सह-हत्या मामले की जांच में तेजी लाने के लिए सरकार से आग्रह करने के लिए एक अगस्त को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी। तब पलानीस्वामी ने एक बयान जारी कर कहा था कि जिन लोगों को अन्नाद्रमुक से निष्कासित कर दिया गया था, वे अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए मांफी मांगकर पार्टी में फिर से शामिल हो सकते हैं। दिनाकरन पूर्व में अन्नाद्रमुक पार्टी से जुड़े थे।

पीएमके ने यूसीसी का विरोध किया

भाजपा ने फिर भी दिल्ली में एनडीए बैठक केलिए आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शक्तिशाली वन्नियार समुदाय की राजनीतिक शाखा पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का विरोध करते हुए भारत के विधि आयोग को एक विस्तृत याचिका लिखी है। वन्नियार समुदाय के बीच पीएमके को मिले समर्थन आधार को देखते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उसे 18 जुलाई को नई दिल्ली में एनडीए की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि, पीएमके के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास ने विधि आयोग को लिखे एक पत्र में भारत के ने कहा कि पीएमके सामाजिक न्याय

को कायम रखने के लिए बनाई गई एक राजनीतिक पार्टी थी।

उन्होंने आगे कहा कि एक राजनीतिक दल के रूप में पीएमके यूसीसी को स्वीकार नहीं कर सकती क्योंकि यह आबादी के कुछ वर्गों के अधिकारों को छीन लेगा। उन्होंने कहा झर्ळीप्रत्येक धर्म में विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेने, संपत्ति के अधिकार और अन्य से संबंधित अलग-अलग नागरिक कोड हैं। पीएमके का रुख है कि सरकार को लोगों के नागरिक अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

गृहलक्ष्मी योजना शुरू होने में हो सकती है देरी, कर्नाटक सरकार को राष्ट्रीय नेताओं के आने का इंतजार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार की पांच गारंटियों में से एक गृहलक्ष्मी' योजना को शुरू होने में देर हो सकती है क्योंकि सत्तारूढ़ दल कांग्रेस चाहता है कि उसके राष्ट्रीय नेता इसका उद्घाटन करें।

राज्य की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम चाहते हैं कि हमारे राष्ट्रीय नेता उसे शुरू करें। हमने उन्हें पत्र लिखा है। यदि वे आने को राजी हो जाते हैं तो हम सोमवार को शाम पांच बजे यहां विधानसभा के बैंक्वेट हॉल में उसे शुरू करेंगे । लेकिन यदि उन्हें समय नहीं मिलता है तो मुख्यमंत्री 19 जुलाई को उसकी शुरुआत करेंगे। गृहलक्ष्मी योजना के तहत राज्यभर में परिवारों की महिला प्रमुखों को हर महीने 2000 रुपये मिलेंगे। मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि एपीएल और बीपीएल कार्ड एवं अंत्योदय कार्ड धारक यह लाभ ले सकती हैं लेकिन आयकर एवं जीएसटी भुगतानकर्ताओं को यह लाभ नहीं मिल सकता है। हेब्बालकर के अनुसार इस योजना के लिए कर्नाटक-1, बेंगलूरु-1, ग्रामा-1 या बापूजी सेवा केंद्रों पर पंजीकरण कराया जा सकता है जहां महिलाओं को प्रमुखों को एपीएल/बीपीएल कार्ड एवं आधार से जुड़े बैंक खातों के साथ जाना चाहिए।

तिरुनावुक्करासर को विश्वास है कि वह तिरुचि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ेंगे

चेन्नई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अब एक साल से भी कम समय रह गया है ऐसे में तिरुचि कांग्रेस सांसद एस तिरुनावुक्कारासर ने यह विश्वास व्यक्त किया कि वह फिर से तिरुचि से चुनाव लड़ेंगे।

इस बयान ने द्रमुक खेमे में सीट बंटवारे में तेजी ला दी है। कांग्रेस सांसद ने ऐसे समय में एक बयान जारी किया है जब निर्वाचन क्षेत्र में एक 'शक्तिशाली' डीएमके उम्मीदवार को मैदान में उतारने की चर्चा चल रही है। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र से 2019 का चुनाव 4.9 लाख वोटों के अंतर से जीता था, इसलिए ज्यादातर मौजूदा सांसद अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे।

थलापति विजय ने गरीब बच्चों की पढ़ाई का उठाया जिम्मा

चेन्नई/मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता थलापति विजय ने गरीब बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा उठाया है। थलपति विजय अपने एक्टिंग के साथ- साथ अपने नेक कामों के लिए भी जानें जाने लगे हैं। थलपति विजय जल्द ही गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए अपना एक इंस्टीट्यूट खोलने जा रहे हैं, जिसका नाम थलपति विजय इंस्टीट्यूट होगा। थलापति विजय तमिलनाडु के 234 निर्वाचन क्षेत्रों में 'थलापति विजय संस्थान' शुरू करने जा रहे हैं। उनकी इस पहल का उद्देश्य गरीब छात्रों को शिक्षा प्रदान थलापति विजय , फैन क्लब, कल्याण संगठन और मक्कल इयक्कम के माध्यम से 'थलापति विजय इंस्टीट्यूट' शुरू करने वाले हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कामराज की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की, पुस्तकालयों को किताबें दान कीं

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज की 121वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर स्टालिन ने उन्हें उपहार के रूप में अलग-अलग समय पर मिली पुस्तकें सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान कीं। स्वतंत्रता सेनानी एवं कांग्रेस नेता कामराज की जयंती के अवसर पर शिक्षा विकास दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने लोगों के लाभ के लिए शुभचिंतकों और पार्टी कार्यकर्ताओं से प्राप्त 1.5 लाख से अधिक किताबें सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान की हैं।

मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, मैंने आज नेता कामराज की 121वीं जयंती के अवसर पर नेहरू राजकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल, नंगनल्लूर में आयोजित शिक्षा विकास दिवस समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्टालिन ने कहा कि जब से उन्होंने 2017 में द्रमुक के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला है, तब से वह लोगों से अनुरोध कर रहे हैं कि वे उन्हें गुलदस्ते और शॉल के बजाय किताबें भेंट करें। तदनुसार, मुझे 1.5 लाख पुस्तकें प्राप्त हुई हैं और उन सभी को तमिलनाडु के सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कामराज की जयंती पर सार्वजनिक पुस्तकालयों को 7,740 किताबें भेंट कीं।

तमिलनाडु के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने कामराज की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन समेत कई अन्य नेताओं ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज की 121वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर स्टालिन ने उन्हें उपहार के रूप में अलग-अलग समय पर मिली पुस्तकें सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान कीं।

स्वतंत्रता सेनानी एवं कांग्रेस नेता कामराज की जयंती के अवसर पर शिक्षा विकास दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने लोगों के लाभ के लिए शुभचिंतकों और पार्टी कार्यकर्ताओं से प्राप्त 1.5 लाख से अधिक किताबें सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान की हैं।

मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, मैंने आज नेता कामराज की 121वीं जयंती के अवसर पर नेहरू राजकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल, नंगनल्लूर में आयोजित शिक्षा विकास दिवस समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्टालिन ने कहा कि जब से उन्होंने 2017 में द्रमुक के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला है, तब से वह लोगों से अनुरोध कर रहे हैं कि वे उन्हें गुलदस्ते और शॉल के बजाय किताबें भेंट करें।

उन्होंने कहा, तदनुसार, मुझे 1.5 लाख पुस्तकें प्राप्त हुई हैं और उन सभी को तमिलनाडु के सार्वजनिक पुस्तकालयों को दान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कामराज की जयंती पर सार्वजनिक पुस्तकालयों को 7,740 किताबें भेंट कीं।

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा, कामराज ने भारत की आजादी में अतुलनीय योगदान दिया और अपनी विभिन्न ऐतिहासिक पहल के माध्यम से सामाजिक विकास को गति दी।

अन्नाद्रमुक महासचिव ए.के. पलानीस्वामी, डीएमडीके संस्थापक विजयकांत, अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम के महासचिव टी.टी.वी. दिनाकरन और अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने भी कामराज को श्रद्धांजलि दी।

चंद्रयान-3 की सफलता से मानव को अंतरिक्ष में भेजने के इसरो के कार्यक्रम को मिला प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/श्रीहरिकोटा। भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 का एलवीएम-एम4 रॉकेट से ऐतिहासिक प्रक्षेपण ने मानव को अंतरिक्ष में ले जाने के देश के प्रथम कार्यक्रम को काफी बल प्रदान किया है क्योंकि इसी प्रक्षेपण यान का उपयोग महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान के लिए किया जाएगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना गगनयान के सफल प्रक्षेपण के लिए जोरशोर से जुटा हुआ है। इस अभियान के तहत तीन व्यक्तियों को तीन दिन के लिए 400 किलोमीटर की कक्षा में ले जाया जाएगा और फिर उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा। यहां सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, 14 जुलाई को चंद्रयान-3 को साथ लेकर अंतरिक्ष में जाने वाले 44.3 मीटर लंबे एलवीएम-3 रॉकेट मानव को सुरक्षित रूप से अंतरिक्ष तक ले जाने' की क्षमता रखने वाला प्रक्षेपण यान होगा। इसरो ने बताया कि गगनयान कार्यक्रम के लिए एलवीएम3 रॉकेट में, मानव को सुरक्षित रूप से अंतरिक्ष में ले जाने की आवश्यकताओं के अनुरूप बदलाव किया जाएगा और इसका नाम बदलकर ह्यूमैन रेटेड एलवीएम3' किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को एलवीएम3 रॉकेट ने शानदार उड़ान भरी जो प्रक्षेपण यान की विश्वसनीयता का संकेत है। एलवीएम3 रॉकेट तीन मॉड्यूल का समन्वय है, जिसमें प्रणोदन, लैंडर और रोवर शामिल हैं। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि गगनयान के लिए पहला परीक्षण अगस्त के अंत तक किया जाएगा। अगले साल के अंत तक एक मानवरहित मिशन अंतरिक्ष में भेजने की इसरो की योजना है।

चंद्रयान की सफलता के साथ-साथ खुशियां बढ़ती गईं

श्रीहरिकोटा। चंद्रयान-3 के साथ विशाल रॉकेट जोरदार गर्जना के साथ जब शुक्रवार दोपहर आसमान में उड़ा तो वहां सिर्फ विस्मय और तालियां नहीं थीं, बल्कि कुछ हल्के-फुल्के क्षण भी थे। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के मिशन नियंत्रण केंद्र के मंच और उसके आसपास मौजूद लोग थोड़ी देर के बाद ही खुशी से झूम उठे। इसी मंच से इसरो की कुछ यादगार और प्रसिद्ध उपलब्धियों की घोषणा की गई है। चंद्रयान-3 के एलएमवीएम3-एम4रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग होने के तुरंत बाद, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ मंच पर आए और कहा, बधाई हो भारत।' इसरो अध्यक्ष के पीछे अंतरिक्ष विभाग और परमाणु ऊर्जा विभाग के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह, कई सरकारी प्रतिनिधि, दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठे थे।

एंजाइम ने बेंगलूरु में एक लाख वर्ग फुट कार्यस्थल किराये पर लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कार्यस्थल मुहैया कराने वाली कंपनी एंजाइम ऑफिस स्पेसेज ने बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड में एक लाख वर्ग फुट क्षेत्र किराये पर लिया है और यहां पर दो नए कार्यालय स्थापित करने पर 15 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इन कार्यस्थलों का क्षेत्रफल क्रमशः 60,000 वर्ग फुट और 40,000 वर्ग फुट है। इन दोनों कार्यस्थलों का परिचालन इस साल नवंबर तक शुरू हो जाने की उम्मीद है। हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि उसने नए कार्यस्थलों को किस कंपनी से किराये पर लिया है।

एंजाइम ऑफिस स्पेसेज के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि नए कार्यस्थलों में 2,000 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही कंपनी के सभी कार्यस्थलों में उपलब्ध सीटों की संख्या 27,000 से अधिक हो जाएगी। वर्ष 2014 में स्थापित यह कंपनी इस समय 10 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र के कार्यस्थल मुहैया करा रही है। इसकी चालू वित्त वर्ष में तीन लाख वर्ग फुट क्षेत्र जोड़ने की योजना है।

बेंगलूरु पुलिस ने 12 करोड़ रु. कीमत का 1,500 किलोग्राम गांजा जब्त किया, तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बेंगलुरु पुलिस ने 1,500 किलोग्राम गांजा जब्त कर तीन तस्कारों को गिरफ्तार किया है। इस खेप की कीमत 12 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विशाखापत्तनम में तीन सप्ताह तक लगातार कार्रवाई के बाद एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

तस्करों ने पुलिस और सुरक्षाकर्मियों से बचने के लिए मालवाहक वाहन में एक गुप्त कक्ष बनाया था। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए तीन आरोपियों में से सरगना राजस्थान का है और उसने एमबीए की पढ़ाई की है जबकि उसका एक साथी विशाखापत्तनम से कला स्नातक है जबकि गिरोह का तीसरा सदस्य बेंगलुरु का एक मादक पदार्थ तस्कर है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि यह गिरोह विशाखापत्तनम के आसपास के ग्रामीण और जंगली इलाकों में गांजे की खेती कर रहा था। उन्होंने कहा कि वे इसे केरल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु समेत अन्य राज्यों में भी तस्करी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांजे की ज्यादातर खेप बेंगलूरु लाई जा रही थी।

चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद कैमरा डिजाइनर अनुज नंदी का परिवार जश्न मना रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलकाता। चंद्रयान-3 का कैमरा डिजाइन करने वाले इसरो वैज्ञानिक अनुज नंदी के परिवार के सदस्य अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण और उनकी सफलता का जश्न पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर कस्बे में अब भी अपने पड़ोसियों के साथ मना रहे हैं। शुक्रवार को हुए प्रक्षेपण को देखने वाली नंदी की 70 वर्षीय मां अब प्रार्थना कर रही हैं कि उनके बेटे द्वारा डिजाइन किया गया उपकरण यान के चंद्रमा पर उतरने पर बगैर किसी गड़बड़ी के काम करे।

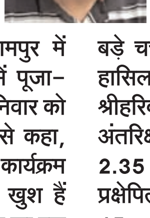

उनके चचेरे भाई की पत्नी रिंकू नंदी ने शुक्रवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर में स्थानीय सिद्धेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की। रिंकू नंदी ने शनिवार को फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, हमने पूरा प्रक्षेपण कार्यक्रम टेलीविजन पर देखा। हम खुश हैं और गर्व है कि हमारे परिवार का एक सदस्य चंद्रयान-3 की टीम का हिस्सा है।' अनुज के छोटे चचेरे भाई अनिमेष नंदी ने कहा कि उन्हें इस विषय या अंतरिक्ष मिशन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन वह केवल यह समझ सकते हैं कि उनके बड़े चचेरे भाई ने कुछ बहुत बड़ा हासिल किया है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शुक्रवार अपराह्न 2.35 बजे जब अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किया गया तो अनिमेष का 15 वर्षीय बेटा अरित्रा भी टेलीविजन देख रहा था। अनिमेष ने कहा, वह (अनुज) पिछले महीने यहां थे। मैंने उन्हें कल फोन नहीं किया क्योंकि यह उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण और व्यस्त दिन था। मैं उन्हें बाद में फोन करूंगा। उन्होंने कहा कि इस्लामपुर आश्रमपाड़ा के रहने वाले अनुज नंदी ने प्राथमिक शिक्षा आमबगान प्राथमिक विद्यालय से प्राप्त की थी और फिर इस्लामपुर हाईस्कूल से पढ़ाई की। अनिमेष ने कहा कि अनुज ने रायगंज जिला मुख्यालय के एक कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की, और कोलकाता के यादवपुर विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातकोत्तर किया।

प्रदेश की प्रगति में मजबूत सड़क तंत्र का योगदान महत्वपूर्ण : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/वार्ता। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को प्रदेश के 232 नगर निकायों में 4101 सड़क विकास कार्यों का शिलान्यास किया। गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से इन कार्यों का शिलान्यास कर प्रदेशवासियों को सम्बोधित किया। 1528 करोड़ रुपए लागत के इन सड़क विकास कार्यों से राज्य में 2642 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों का निर्माण और विकास होगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति में मजबूत सड़क तंत्र का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा सड़कों के सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण कार्य करा रही है। इनमें वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार 250 से अधिक जनसंख्या वाले ट्राइबल व डेजर्ट क्षेत्रों तथा 350 से अधिक जनसंख्या वाले अन्य क्षेत्रों को भी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। सरकार द्वारा सड़कों के निर्माण में कमी नहीं रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सड़कों की गुणवत्ता के साथ कार्यों को समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सीकर में सड़क के गड्ढे में गिरने से बच्चे की अकाल मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। विभागीय विशेषज्ञों व थर्ड पार्टी ऑडिटर के अलावा जिला प्रशासन के अधिकारी और जनप्रतिनिधि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर निगरानी रखें। इसमें स्थानीय आमजन भी अहम जिम्मेदारी निभाएं।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान सड़क तंत्र में आगे बढ़कर देश का मॉडल स्टेट बन रहा है। राज्य में सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, कृषि, पानी, बिजली तथा उद्योग सहित हर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हो रहा है। राज्य सरकार वर्ष 2030 तक राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के विजन पर प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाएं रोकने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश के 1548 ब्लैक स्पॉट को चिंहित कर 1365 को दुरूस्त कर दिया गया है। विशेषज्ञों द्वारा निरीक्षण के साथ ही अब बनाने वाली कम्पनी की जिम्मेदारी भी पांच साल कर दी गई है। वहीं, जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड़ एण्ड बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन के निर्माण के लिए 55 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

गहलोत ने कहा कि प्रदेश में शाहजहांपुर से अजमेर, बर से बिलाड़ा (जोधपुर) एवं सीकर से बीकानेर सड़क मार्गों को सड़क दुर्घटना मुक्त कराने के लिए विशेषज्ञों द्वारा ऑडिट कराई गई है। इसके ब्लैक स्पॉट और अन्य दुर्घटना के कारणों को दुरुस्त कराकर इन्हें दुर्घटना मुक्त बनाने की पहल की गई है। इनका कार्य जल्द ही पूरा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई से राहत दिलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में महंगाई राहत कैंप लगाए गए। इनमें 1.79 करोड़ से अधिक परिवारों ने पंजीयन कराकर 7.60 करोड़ से अधिक गारंटी कार्ड प्राप्त किए हैं। इन परिवारों को चिकित्सा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा पेंशन व बिजली सहित 10 योजनाओं में राहत मिलना शुरू हो गई है। वहीं, प्रशासन शहरों/गांवों के संग अभियानों में 8.50 लाख से अधिक पट्टे जारी किए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा पट्टों के लिए कई नियमों में संशोधन भी किया गया है।

समारोह में नगरीय विकास मंत्री शांती कुमार धारीवाल ने कहा कि नगर निकायों में सड़कों के कार्य हर वर्ष बढ़ाकर आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय जनता की राय लेकर कार्य हो रहे हैं। सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव ने कहा कि साढ़े चार वर्ष में सड़क क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। नई ग्राम पंचायतों से लेकर मिसिंग लिंक, गांव-शहरों में नई सड़कों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण तीव्र गति से कराए जा रहे हैं। अब सड़क तंत्र में भी राजस्थान मॉडल स्टेट बन गया है। समारोह में सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि वर्ष 2021-22 में निकायों के 2189 कार्यों में से 2083 (95 प्रतिशत) तथा वर्ष 2022-23 में 3368 में से 2469 (74 प्रतिशत) कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

देश में ही नहीं पूरी दुनिया में है राजस्थान संगीत की है धूम : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/वार्ता। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राजस्थान की संस्कृति को बहुत समृद्ध और बेजोड़ बताते हुए कहा है कि संगीत एवं नृत्य के साथ राजस्थानी व्यंजनों और मान-मनुहार की पूरी दुनिया में धूम है।

श्रीमती मुर्मू ने शनिवार को यहां राजभवन में भारतीय भाषा और संस्कृति संगम के प्रतिनिधि मंडल से भेंट के दौरान वीणा समूह जयपुर द्वारा विवाह गीत पर तीन भाषाओं में सचित्र प्रकाशित कोफी टेबल बुक्स का अवलोकन करते हुए यह बात की। उन्होंने विवाह के सारे गीतों को राजस्थानी के साथ हिन्दी और अंग्रेज़ी में भी लिखने के साथ कठिन शब्दों का अर्थ दिए जाने को बहुत उपयोगी बताया।

राष्ट्रपति को इस मौके पर बताया गया कि दो कोफी टेबल बुक्स के इस दोसौ बाईस विवाह गीतों के विश्व के सबसे बड़े संकलन में विवाह की सभी रस्मों के गीत और चौबीस पेंटिंग्स संकलित किए गए है जो कि विवाह के मांगलिक उत्सव को हमेशा के लिए चिर स्मरणीय बनाएगा । साथ ही हमारी समृद्ध परम्पराओं को अक्षुण बनायें रखने में मददगार होंगा।इस ग्रन्थ का प्रकाशन बारह वर्षों के गहन अध्ययन के बाद किया गया है और वीणा समूह के अध्यक्ष के सी मालू राजस्थान के गाँवों और ढानियों में जाकर एक हज़ार गीतों के अध्ययन के बाद दोसौ बाईस विवाह गीतों का चयन किया गया है।

प्रतिनिधिमंडल में संगम के संरक्षक और वीणा म्यूज़िक के प्रबंध निदेशक हेमजीत मालू ,अध्यक्ष कुमेश कुमार जैन और सलाहकार गोपेंद्र नाथ भट्ट शामिल थे। राष्ट्रपति को उन्होंने राजस्थानी कला और संस्कृति पर आधारित बहुरंगी मासिक पत्रिका स्वर सरिता पत्रिका का अंक और विवाह गीत पर जारी दो कोफी टेबल बुक का मय केसेटस और पेन ड्राइव का सेट भेंट किया।

राष्ट्रपति यह बताते हुए भावुक हो गईं कि उन्हें उड़ीसा में अपने गाँव के निकट राजस्थानी परिवारों की शादी ब्याह में आने जाने और उनकी संस्कृति को निकट से देखने का सौभाग्य मिला जिसकी छाप आज भी उनके मन मस्तिक पर अमिट बनी हुई है ।

श्रीमती मुर्मू ने बहुरंगी पत्रिका स्वर सरिता का अवलोकन भी किया और उसके कलेवर एवं प्रकाशन की भी सराहना की। हेमजीत मालू ने राष्ट्रपति को राजस्थानी कला संस्कृति और संगीत तथा राजस्थानी घूमर नृत्य को जन-जन तक पहुँचाने के लिए वीणा समूह के अध्यक्ष राजस्थान रत्न से विभूषित के सी मालू के योगदान की जानकारी दी।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि राष्ट्रपति भवन में कलाकारों को आमन्त्रित करने की उनकी इच्छा है और ऐसा होना उनके लिए खुशी का अवसर होंगा।

राजस्थान देश में सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/वार्ता। पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने कहा है कि कोरोना महामारी की बड़ी मार झेलने के बाद राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) ने प्रदेश में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिया और अपने पर्यटन उत्पादों एवं पर्यटन अनुकूल नीतियों, योजनाओं और पहलों के कारण आज राजस्थान देश के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक बन गया है।

सिंह शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष आरडीटीएम के दूसरे संस्करण की बड़ी सफलता के मद्देनजर इस वर्ष आरडीटीएम का एक और संस्करण आयोजित किया जा रहा है।

इसके बाद राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा एवं पहल के कारण राजस्थान देश और दुनिया में पर्यटन मॉडल स्टेट के रुप में उभरा है। उन्होंने कहा कि कोरोना ने सभी को प्रभावित किया और उसमें सबसे ज्यादा प्रभावित पर्यटन हुआ लेकिन बहुत से राज्यों में पर्यटन उद्योग लड़खडा रहा है लेकिन श्री गहलोत के राजस्थान को पर्यटन बूस्टर डोज देने से राजस्थान का पर्यटन उठ खड़ा हुआ बल्कि तेज गति से दौड़ने लगा है। इतनी टूरिज्म इंडसट्री को लेकर पोलिसी लाई गई हैं जो ओर राज्यो में नहीं है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को भी राजस्थान की पर्यटन नीति को अन्य राज्यों में भी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपनी रूरल टूरिज्म पॉलिसी, फिल्म प्रमोशन पॉलिसी जैसी दूरदर्शी पर्यटन नीतियों के साथ देश भर के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बन गया है। यह पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने वाला पहला राज्य है और अब तक यूडी टैक्स और बिजली छूट जैसे क्षेत्रों में लगभग एक हजार होटल से अधिक इससे लाभान्वित हुए हैं और जो भी पंजीयन करा रहे है उन्हें फायदा मिलना शुरु हो गया।

राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ने टूरिज्म डवलपमेंट फंड को भी एक हजार करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपए कर दिया है। इसके अतिरिक्त, राज्य में पांच अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स और पांच माईस सेंटर भी खुल रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में राठौड़ ने कहा कि रुरल टूरिज्म पोलिसी के तहत अब गांवों में पर्यटन को बढ़ावा मिलने लगा हैं और अब भूमि रुपांतरण की जो समस्या आ रही थी उसका समाधान भी किया गया जिससे ग्रामीण भी इस ओर आकर्षित होने लगे हैं।

रिश्वत लेते पूर्व राज्यमंत्री केसावत समेत 4 गिरफ्तार

आरपीएससी की परीक्षा में पास करवाने के लिए ली थी घूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एसीबी (-उइ) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा प्रहार करते हुए घुमंतू बोर्ड के पूर्व चेयरमैन गोपाल केसावत समेत चार लोगों को साढ़े सात लाख रुपये की रिश्वत लेत हुए गिरफ्तार किया गया है। केसावत को घुमंतू बोर्ड के पूर्व चेयरमैन रहते हुए राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त था। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद हड़कंप मच गया। आरोपी परिवादी से साढ़े 18 लाख रुपये एक दिन पहले ही वसूल चुके थे। रिश्वत की यह राशि आरपीएससी की ओर से आयोजित की गई ईओ भर्ती परीक्षा को लेकर ली गई थी।

एसीबी के कार्यवाहक डीजी हेमंत प्रियदर्शी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। प्रियदर्शी ने बताया कि रिश्वत की यह राशि राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर की ओर से आयोजित ईओ की भर्ती के नाम पर मांगी गई थी। आरोपियों ने इसके लिए 40 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस संबंध में परिवादी ने सीकर एसीबी में शिकायत में दर्ज करवाई थी। शिकायत प्राप्त होने के बाद ब्यूरो ने जब इसकी सत्यता जांची तो वह सही पाई गई. ब्यूरो के सत्यापन में 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगने की बात प्रमाणित हो गई।

पहले सीकर और फिर जयपुर में हुई कार्रवाई

इस पर ब्यूरो ने बाद में आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ने के लिए अपना पुख्ता जाल बिछाया। उसके बाद सीकर और जयपुर एसीबी ने मिलकर इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार रात को सीकर में दलाल अनिल कुमार धरेन्द्र और ब्रह्मप्रकाश को साढ़े 18 लाख रुपये लेते हुए दबोचा लिया था। उसके बाद उसी रात दलाल रविन्द्र को साढ़े सात लाख रुपये लेते हुए पकड़ा गया था। मामले की कड़ी से कड़ी खुलने के बाद एसीबी की टीम ने शनिवार को पूर्व राज्यमंत्री गोपाल केशावत को भी गिरफ्तार कर लिया।

ओएमआर शीट बदलवाने के नाम पर ली थी रिश्वत

आरोपियों ने रिश्वत की यह राशि आरपीएससी की ओर से आयोजित अधिशाषी अधिकारी भर्ती परीक्षा में पास करवाने और ओएमआर शीट बदलवाने के नाम पर ली थी। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद सूबे की राजनीति भी गरमा गई।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में इससे पहले शिक्षक भर्ती पेपर लीकर के मामले में काफी हंगामा हो चुका है। उस मामले में एसओजी ने आरपीएससी के सदस्य को गिरफ्तार किया था। शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में गहलोत सरकार अभी भी चौतरफा घिरी हुई है।

अब इस नए मामले से प्रदेश की राजनीति और भी गरमाने के आसार हैं।

बारां में पुलिस ने गुम हुए 200 मोबाईल किए बरामद : परिवादियों को लौटाए

बारां/वार्ता। राजस्थान में बारां जिला पुलिस ने वर्ष 2021 से लेकर अब तक चोरी एवं गुम हुए करीब 200 मोबाइलों की बरामदगी की है। बरामद मोबाइलों की कीमत लगभग 25 लाख रुपए आंकी गई है। जिला पुलिस अधिक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि वर्ष 2021 से आमजन के गुमशुदा मोबाईल को ट्रेस करवाने का अभियान जिले की साइबर सैल से करवाया गया था, जिसमें जिले के जिनेन्द्र कुमार जैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बारां के निर्देशन में सत्येन्द्र सिंह प्रभारी साइबर सैल की गठित टीम ने करीब 25 लाख कीमत के गुमशुदा 200 मोबाईल आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में मोबाईल के परिवादियों को पुलिस अधीक्षक राजकुमार एवं जिनेन्द्र जैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के हाथो से लोटा कर सौगात दी। गुमशुदा मोबाईल पाने वालो के चहरे खुशी से खिल उठे।

जैन मुनि के हत्यारों पर तुरंत एक्शन हो : महिपाल

श्रीगंगानगर/वार्ता। राजस्थान में श्रीगंगानगर नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष संजय महिपाल के नेतृत्व में जैन तथा सर्व समाज के प्रतिनिधियों की ओर से आज यहां जिला कलक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर कर्नाटक में जैन मुनि की निर्मम हत्या करने वाले लोगों पर अविलंब कार्यवाही की मांग की गई। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारी श्री महिपाल ने कहा कि अपनी कठिन तपस्या और प्रवचन और से समाज को संदेश देने वाले जैन मुनि की जघन्य हत्या हिंदुस्तान के माथे पर एक बड़ा कलंक है। जिन लोगों ने भी यह कृत्य किया है, उससे देशभर के सर्व समाज के लोग विचलित हुए हैं और इस घटना की कड़ी निंदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में अनुरोध किया गया है कि इन घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए संबंधित सरकारों को निर्देश प्रदान किए जाए। ज्ञापन देने पहुंचे शिष्टमंडल में श्री महिपाल के साथ सुरेंद्र जैन, नरेश जैन भोला, मनोज जैन, अजय सुराणा, कमलकांत कोचर, सुशील भाटिया,वर्धमान बोरड, नरेश भाटिया, चांदरतन गहलोत, राकेश बोरड, नरेंद्र जैन, विमल कोटेचा, सीताराम, अरिहंत बोरड, राहुल जैन, मोहित, रमेश बंसल, सुभाष गोयल, सुमेर चंद बोरड, नरेश जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक थे।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह ने शनिवार को अलवर शहर के वार्ड नं. 47 के रेलवे कॉलोनी एवं आनन्द विहार कॉलोनी में नव निर्मित युवरानी महेन्द्रा कुमारी स्मृति उद्यान, सीसी सडक और हाई मास्क लाइट तथा वार्ड नं. 44 में फ्रंटियर विकास समिति की ओर से बनाए गए महात्मा गांधी पार्क, बोरिंग तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलवर द्वारा शहरी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र (पुरानी डिस्पेंसरी स्कीम नं. 2) का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन व शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन के हित को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्यों को अमलीजामा पहना रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार द्वारा आमजन को निरोगी राजस्थान के तहत बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर अजीत यादव, पीएमओ डॉ. सुनील चौहान सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं आमजन उपस्थित थे।

बालिकाओं की उच्च शिक्षा में मील का पत्थर साबित होगें कन्या महाविद्यालय : चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय, रामगढ़ पचवारा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा की अध्यक्षता तथा उच्च शिक्षा राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम में परसादी लाल मीणा ने कहां की 6 करोड रुपए की लागत से राजकीय कन्या महाविद्यालय, रामगढ़ पचवारा के नवनिर्मित भवन से यहां पढ़ने वाली लगभग 450 बालिकाओं को अत्यधिक आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित भवन में पढ़ने का मौका मिलेगा, आज भवन के लोकार्पण से बालिकाओं के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिल रही है, यह महाविद्यालय बालिकाओं की उच्च शिक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि लालसोट विधानसभा क्षेत्र में पिछले 4 सालों में 4 नए बालिका महाविद्यालय स्थापित हुए हैं, जिससे क्षेत्र की बालिकाओं को घर के नजदीक ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिला है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने लालसोट विधानसभा क्षेत्र में पिछले 4 वर्षों में किए गए विकास कार्यों की चर्चा करते हुए बताया कि रामगढ़ पचवारा में पंचायत समिति निर्माण, एसडीओ कोर्ट, 5 करोड रुपए की लागत से निर्मित उप जिला अस्पताल जिसमें मरीजों के लिए फ्री दवाई, जांच एवं अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, इसके अतिरिक्त विधानसभा क्षेत्र में सरकारी चिकित्सालयों में लगभग 200 डॉक्टर सेवारत है जिससे आमजन को अपने गांव के आस-पास ही चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही है।

लोकार्पण समारोह में आमजन को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री राजेंद्र सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्य अभूतपूर्व हैं पिछले 4 वर्ष में प्रदेश में लगभग 316 नए महाविद्यालय स्थापित किए गए हैं, जो बालक बालिकाओं के बेहतर भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

उन्होंने नवनिर्मित भवन के लोकार्पण के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय से दूर-दराज क्षेत्र की बालिकाएं सुगम रूप से उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगी, इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा राज्य में स्थापित किए गए महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की सराहना करते हुए कहा कि इससे गरीब तबके के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल रही है।

इस अवसर पर नगर पालिका रामगढ़ पचवारा अध्यक्ष घनश्याम खटीक,सरपंच संघ के अध्यक्ष मोतीलाल मीना,पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा उपप्रधान सूरज कटारा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सावन के सौंदर्यबोध और उल्लास का ऋतु पर्व कजरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में गाया जाना वाला कजरी प्रसिद्ध लोकगीत है जो विशेष रूप से सावन में गाया जाता है। इस लोकगीत में श्रृंगार और विरह का अद्भुत संयोजन देखने को मिलता है और इसी कारण इसे सावन के सौंदर्य और उल्लास का ऋतु पर्व कहा जाता है। पिया मिलन की आस में लज्ञा से सकुचाई सजी-धजी नवयौवना की आसमान छूती खुशी और विरह की शूल सी वेदना एवं आदिकाल से कवियों की रचनाओं का श्रृंगार कर उन्हें जीवंत करने वाली कजरी को लोकगीतों की रानी कहा गया है।

आदिकाल से कवियों की रचनाओं का श्रृंगार कर, उन्हें जीवंत करने वाली कजरी' सावन की हरियाली बहारों का मिलन है। मौसम और यौवन की महिमा का बखान करने के लिए परंपरागत लोकगीतों का भारतीय संस्कृति में कितना महत्व है-कजरी इसका उदाहरण है। हमारे यहां भले ही इनका महत्व कम हो गया है, लेकिन भारत के बाहर सूरीनाम, त्रिनिदाद, मारिशश आदि देशों में भारतवंशी पारंपरिक लोकगीतों को जीवित रखा है। कजरी वह विधा है जिसमें सावन, भादों के प्रेम, वियोग और मिलन का चेहरा सामने आता है। मतवाले सावन में विरहिन का दिल कांपता ही नहीं, झूमता भी है। हृदय में तड़प पैदा होने, हूक सी उठने की भी अपनी एक खास वजह होती है। सावन का सौंदर्य और कजरी की धुनों की मिठास वर्षा बहार का जो वर्णन लोक गायन की विधा कजरी में है वह कहीं और नहीं। इसमें श्रृंगार और वियोग रस की प्रधानता होती है। यह वर्षा ऋतु का लोकगीत है। इसे वर्षा ऋतु में गाया जाता है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोबिंद ने वर्ष 2022 में कला के लिए मिर्जापुर की नामचीन लोकगीत कजरी गायिका अजिता श्रीवास्तव को पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित किया है। अजिता श्रीवास्तव ने यूनिवार्ता को बताया कि आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह कहे जाने वाले भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने भी अनेक कजरियों की रचना कर लोक-विधा से हिन्दी साहित्य को सुसज्जित किया। उन्होने कजरी गीतों में प्रेम, श्रृंगार और विरह विषयक को बखूबी से चित्रित किया है। उन्होंने ब्रज और भोजपुरी के अलावा संस्कृत में भी कजरी कि रचना की है। स्तव ने वर्ष 2020 में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कजरी विधा के लिए उत्तर प्रदेश सरकार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय से परास्नातक गोरखपुर विश्वविद्यालय

से बीएड और प्रयाग संगीत समिति से संगीत प्रभाकर कर संगीत में महारत हासिल कर मिर्जापुर को अपनी कर्मभूमि बनाने वाली गायिका शिक्षिका पद से सेवानिवृत हो चुकी है। वह कजरी विधा को आगे बढाने के प्रयास में प्रयासरत हैं। कजरी के वर्ण्य-विषय ने जहाँ एक ओर भोजपुरी के सन्त कवि लक्ष्मीसखी, रसिक किशोरी आदि को प्रभावित किया, वहीं अमीर ख़ुसरो, बहादुरशाह ज़फर, सुप्रसिद्ध शायर सैयद अली मुहम्मद 'शाद', हिन्दी के कवि अम्बिकादत्त व्यास, श्रीधर पाठक, द्विज बलदेव, बदरीनारायण उपाध्याय 'प्रेमधन' आदि भी कजरी के आकर्षण मुक्त नहीं रह सके। उन्होंने बताया मिर्जापुर की प्रसिद्ध कजरी गायिका कजरी गीत का एक प्राचीन उदाहरण तेरहवीं शताब्दी का, आज भी न केवल उपलब्ध है बल्कि गायक कलाकार इसको अपनी प्रस्तुतियों में प्रमुख स्थान देते हैं। यह कजरी अमीर ख़ुसरो की बहुप्रचलित रचना अम्मा मेरे बाबा को भेजो जी कि सावन आया...। भारत में अन्तिम मुग़ल बादशाह बहादुरशाह ज़फर की एक रचना- झूला किन डारो रे अमरैयाँ... भी बेहद प्रचलित है।

लोक संगीत का क्षेत्र बहुत व्यापक होता है। साहित्यकारों द्वारा अपना लिए जाने के कारण कजरी गायन का क्षेत्र भी अत्यंत व्यापक हो गया। इसी प्रकार उप-शास्त्रीय और शास्त्रीय गायक और गायिकाओं ने भी कजरी को अपनाया और इस शैली को रागों का बाना पहनाकर क्षेत्रीयता की सीमा से बाहर निकाल राष्ट्रीयता का दर्जा प्रदान किया। भारतरत्न' सम्मान से अलंकृत उस्ताद बिस्मिल्ला खान की शहनाई पर तो कजरी और भी मीठी हो जाती थी। ऋतु प्रधान लोक-गायन की शैली कजरी का फ़िल्मों में भी प्रयोग किया गया है। हिन्दी फ़िल्मों में कजरी का मौलिक रूप कम मिलता है, किन्तु 1963 में प्रदर्शित भोजपुरी फ़िल्म 'बिदेसिया' में इस शैली का अत्यन्त मौलिक रूप प्रयोग किया गया। इस कजरी गीत की रचना अपने समय के जाने-माने लोक गीतकार राममूर्ति चतुर्वेदी ने की थी। चरक संहिता में तो यौवन की संरक्षा और सुरक्षा के लिए बसन्त के बाद सावन महीने को ही सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। सावन में नई ब्याही बेटियां अपने पीहर वापस आती हैं और बगीचों में भाभी और बचपन की सहेलियों संग कजरी गाते हुए झूला झूलती हैं। अब न/न तो कजरी के कलाकार रहे और न ही कद्रदान। जैसे जैसे पुरानी पीढ़ी खत्म होती जा रही कजरी भी दम तोड़ती जा रही है। अब न कोई सिखने वाला है और न ही सीखने वाला। नये लोग इसे हीन भावना से देखते हैं और इसे सीखने का प्रयास भी नहीं करते।

पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत शिक्षिका ने बताया कि कजरी महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से गाया जाने वाला लोकगीत है। बिहार और उत्तर प्रदेश की कजरी लोकगायन की वह शैली है जिसमें परदेस कमाने गए पुरूषों की पत्नियों के बिछुडन का वियोग और मिलन के सौंदर्य के बखान गीतो के माध्यम से व्यक्त करती हैं।

सावन एवं भादों का महीना प्रकृति के और नजदीक ले जाता है। झूला झूलने के दौरान गाये जाने वाले मधुर गीत मन को सुकून पहुंचाने वाले होते हैं। कजरी विरहगीत की प्रतिद्वन्दता है तो सखी, सहेलियां, भाभी-ननद के आपसी मिठास और खटास के साथ सावन की मस्ती का रंग घुला होता है।

हरिद्वार में धूमधाम से मनाई गयी सावन की शिवरात्रि, कांवड़ यात्रा का समापन

हरिद्वार। सावन की शिवरात्रि का पर्व हरिद्वार में धूमधाम से मनाया गया जहां भगवान भोले का जलाभिषेक करने के लिए शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसी के साथ पिछले एक पखवाड़े से चल रही कांवड़ यात्रा का भी समापन हो गया। भगवान शिव का ससुराल माने जाने वाले कनखल क्षेत्र में स्थित दक्ष प्रजापति मंदिर में शिव का जलाभिषेक करने के लिए तड़के से ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर में देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही जहां दूध, शहद, गन्ने के भूरे रस से भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया।

मान्यता है कि भगवान शिव सावन के पूरे महीने अपनी ससुराल कनखल में ही निवास कर यही से सृष्टि का संचालन और लोगों का कल्याण करते हैं। हरिद्वार मे बिल्वकेश्वर महादेव, नीलेश्वर महादेव, गौरी शंकर महादेव मंदिरों मे भी भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करने के लिए बड़ी संख्या मे शिव भक्त पंहुचे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं के शांतिपूर्ण दर्शनों के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये थे। इसी के साथ करीब एक पखवाड़े तक चली कांवड़ यात्रा भी संपन्न हो गई। चार जुलाई को सावन की शुरूआत के साथ कांवड़ यात्रा का आरंभ हुआ था।

हिमाचल प्रदेश : मूसलाधार बारिश में दो घर और पांच गौशालाएं बहीं

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लग घाटी के गोरू डुग गांव में मूसलाधार बारिश के कारण दो घर और पांच गौशालाएं बह गई हैं। कुल्लू जिला प्रशासन ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। कुल्लू जिला मजिस्ट्रेट आशुतोष गर्ग ने कहा कि लगवैली के पास्ट पटवार सर्कल के तहत गोरू डुग में बादल फटने से दो घर और पांच गौशालाएं बह गईं। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। क्षति का आकलन करने के लिए राजस्व टीम मौके के लिए रवाना हो गई है।

मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य में येलो अलर्ट जारी किया। लैग वैली में भारी बारिश के कारण साराबरी नदी का जल स्तर बढ़ गया है और स्थानीय लोगों को उफनती खाड़ या नालाहा से दूर रहने की चेतावनी जारी की जा रही है।

दिलीप ट्राफी : पांचाल ने करायी पश्चिम क्षेत्र की वापसी, रोमांच बरकरार

बेंगलूरु। कप्तान प्रियांक पांचाल (92 नाबाद) और सरफराज खान (48) के बीच 98 रन की उपयोगी भागीदारी की बदौलत पश्चिम क्षेत्र ने दलीप ट्राफी के खिताबी मुकाबले में दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ शनिवार को वापसी का जज्बा दिखाते हुये अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट खोकर 182 रन बना लिये। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर मैच के चौथे दिन का खेल खत्म होने के समय पांचाल का साथ अतित सेठ दे रहे थे। मैच के पांचवें और अंतिम दिन पश्चिम को जीत के अभी भी 116 रनों की जरूरत है वहीं दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों का लक्ष्य पांचाल के विकेट के साथ अन्य चार बल्लेबाजों को सस्ते में निपटाने का होगा।

दक्षिण क्षेत्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पहली पारी में 213 रन बनाये थे जिसके जवाब में पश्चिम की पहली पारी 146 रनों पर सिमट गयी थी। 67 रन की लीड के साथ दक्षिण के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी शुरू की और 230 रन बना कर पश्चिम को जीत के लिये 298 रनों का लक्ष्य दिया। पश्चिम की दूसरी पारी की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही जब पृथ्वी शॉ (7) और हार्विक देसाई (4) जल्द निपट गये, दोनो के आउट होने पर स्कोरबोर्ड पर सिर्फ 18 रन टंगे थे। चेतेश्वर पुजारा (15) ने हालांकि कप्तान का साथ देते हुये पारी को संवारने की कोशिश की मगर उन्हे वासुकी कौशिक ने अपना शिकार बना कर पश्चिम की मुश्किलों में इजाफा किया वहीं विस्फोटक सूर्य कुमार यादव (4) दूसरी पारी में भी फ्लाप साबित हुये। इस कठिन घड़ी में सरफराज ने पांचाल के साथ मिल कर पारी को आगे बढाया और दोनो बल्लेबाजों ने चतुराई भरी बल्लेबाजी करते हुये चौके छक्कों की बजाय सिंगल्स और डबल्स में अपना ध्यान केंद्रित रखा,नतीजन स्कोरबोर्ड चलता गया।

केन्द्र सरकार हिमाचल प्रदेश के लोगों को पर्याप्त सहायता देगी : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी.नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के लोगों को आश्वस्त किया है कि भारी बारिश और बाढ़ से हुई उनकी परेशानियों को कम करने के लिए केंद्र सरकार उन्हें पर्याप्त सहायता प्रदान करेगी।

नड्डा ने मंडी और कुल्लू जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों दौरा के बाद कल रात बिलासपुर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश सरकार को 181 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त भी जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष से पहली किस्त में 180 करोड़ रुपये जारी किए थे और अब कुछ दिनों के भीतर राज्य सरकार को दूसरी किस्त जारी की गई है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर अब तक केंद्र सरकार की ओर से 361 करोड़ की सहायता जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि वह राज्य की हालत को लेकर काफी चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि वह अब हिमाचल प्रदेश को फिर से पुरानी स्थिति में लाने के लिए काम करना चाहते हैं। हिमाचल प्रदेश में काफी नुकसान हुआ है। मंडी, कुल्लू और मनाली में लोगों के आवास और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उन्होंने कहा, मैंने स्वयं यह दृश्य देखा है, जिससे मैं काफी चिंतित हूं। हिमाचल सरकार इस आपदा के संबंध में जब भी कोई मांग करेगी या भेजेगी उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। मैं हिमाचल में ऐसी त्रासदी पहली बार देख रहा हूं। गौरतलब है कि राज्य में हुई त्रासदी के कारण हिमाचल सरकार पर कर्ज का बोझ बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर कुछ दिनों तक हिमाचल प्रदेश में रहेंगे। ऐसे में वह इस सारे नुकसान और आपदा पर अपडेट लेते रहेंगे।

हिमाचल में डीजल पर 3 रु. महंगा हुआ

शिमला। हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार ने डीजल पर वैट बढ़ा दिया है। सरकार ने डीजल पर लगने वाले वैट को प्रति लीटर 7.40 से बढ़ाकर 10.40 रुपये कर दिया है। शुक्रवार आधी रात से प्रदेश में डीजल की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी लागू रहेगी। राज्य कर एवं आबकारी के प्रधान सचिव भरत खेड़ा की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार डीजल पर वर्तमान में जो वैल्यू ऐडेड टैक्स 9.96% या 7.40 रुपए प्रति लीटर था, उसे बढ़ाकर 13.9% या 10.40 रुपए प्रति लीटर, जो भी अधिकतम हो, कर दिया गया है। डीजल की नई दरें अब 14 जुलाई मध्य रात्रि से लागू होंगी। इस तरह अपने संसाधनों में बढ़ोतरी के लिए फैसले ले रही कांग्रेस सरकार ने वैट में वृद्धि की शुरुआत डीजल से की है। यह बढ़ोतरी करीब तीन रुपए प्रति लीटर की दर से होगी। हालांकि डीजल के रेट में होने वाली इस बढ़ोतरी से ढुलाई दरें बढ़ेंगी और खाद्य वस्तुओं पर भी महंगाई का असर पड़ेगा। गौरतलब है कि 2021 में पूर्व की भाजपा सरकार ने पेट्रोल और डीजल से वेट सात रुपये घटाया था। इससे कर एवं आबकारी विभाग को 2021-22 में 2020-21 के मुकाबले करीब 350 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ था। इसका हवाला देते हुए जनवरी 2023 में प्रदेश सरकार ने वैट में तीन रुपये की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया था। अब आर्थिक संकट को देखते हुए सरकार ने वैट में और बढ़ोतरी कर दी है।

सपा विधायक दारा सिंह चौहान ने विस सदस्यता से दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान ने शनिवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया जिसके बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने इस्तीफे की पुष्टि करते हुये बताया कि श्री दारा सिंह चौहान, सदस्य विधान सभा 354 घोसी, मऊ ने 15 जुलाई को विधान सभा की सदस्यता से अपना त्याग-पत्र अध्यक्ष, विधान सभा की सेवा में प्रस्तुत किया है। सपा विधायक के इस्तीफे के बाद मऊ में राजनीतिक चर्चाओं का दौर काफी तेज हो गया है।

गौरतलब हो कि योगी सरकार के पहले कार्यकाल में दारा सिंह कैबिनेट में शामिल किये गये थे मगर पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले उन्होने भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा देकर सपा में की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। पिछले कुछ महीनों से दारा सिंह चौहान के सपा से इस्तीफा देकर पुनः भाजपा में शामिल होने की चर्चाएं चल रही थी।

गौरतलब है कि सपा, बसपा सहित लगभग सभी प्रमुख पार्टियों में अपनी राजनीतिक पारी खेल चुके दारा सिंह चौहान घोसी लोकसभा क्षेत्र से 2009 से 2014 तक बसपा सांसद भी रह चुके हैं। वर्ष 2017 विधानसभा चुनाव के समय भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर मधुबन विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। जिनके बाद उन्हें योगी सरकार पार्ट वन में सूबे का कैबिनेट मंत्री बनाया गया था लेकिन विधानसभा चुनाव 2022 में दारा सिंह चौहान भाजपा छोड़कर सपा पार्टी के बैनर तले घोसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए।

हेट स्पीच मामले में आजम को दो साल की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामपुर। उत्तर प्रदेश में रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने शनिवार को हेट स्पीच के करीब चार साल पुराने एक मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के कद्दावर नेता एवं पूर्व सांसद मोहम्मद आजम खान को दो साल की सजा सुनायी है। अभियोजन पक्ष के सहायक अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि शहजादनगर थाने में दर्ज मामले में आजम खान पर तीन धाराएं लगाई गईं थीं जिसमें दो धाराओं में दो दो साल की और तीसरी धारा में एक माह की सजा हुई है। आजम खान पर 171जी, 505 और 125 की धारा लगाई गई थीं। इसके अलावा उन पर दो धाराओं में हजार-हजार रुपए और तीसरी धारा में 500 रुपए जुर्माना लगाया गया है। आजम खान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और तत्कालीन जिलाधिकारी आञ्जनेय कुमार पर आपत्तिजनक टिपण्णी करने का आरोप था।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान आजम खां रामपुर संसदीय सीट से सपा-बसपा गठबंधन के प्रत्याशी थे। प्रत्याशी रहने के दौरान आजम खान का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें आजम खान पर हेट स्पीच का आरोप लगा था। इस मामले में शनिवार को आजम खान दोषी करार दिए गए हैं।

आजम खान पर आरोप था कि उन्होंने संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों और अधिकारियों के प्रति आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषण दिया था। मुकदमे की विवेचना के बाद पुलिस ने कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। आजम खां इस मुकदमे में जमानत पर चल रहे थे। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट ट्रायल में चल रही है। दोनो पक्षों की गवाही और बहस पूरी हो गई है। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने आज की तिथि फैसले के लिए नियत की थी। कोर्ट ने इस मुकदमे में फैसला सुनाते हुए आजम खान को दोषी करार दिया है।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने साथ मिलकर लड़ा था। उस समय आजम खान रामपुर संसदीय सीट से सपा-बसपा गठबंधन के प्रत्याशी थे। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खां की जनसभा का एक भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री को आपत्तिजनक शब्द कहे थे और तत्कालीन जिलाधिकारी समेत कई अधिकारियों के खिलाफ स्पीच दी थी।

वीडियो के सामने आने के बाद मॉनिटरिंग सैल के प्रभारी और एडीओ पंचायत अनिल चौहान ने थाना शहजाद नगर में आजम खां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमे की विवेचना के बाद पुलिस ने कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। आजम खान इस मुकदमें में फिलहाल जमानत पर चल रहे हैं। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट ट्रायल में चल रही है। इससे पहले हुई सुनवाई में दोनों पक्षों की ओर से अपनी सारी दलीलें पेश की जा चुकी हैं, जिसके बाद अदालत ने आज की तिथि फैसले के लिए तय की थी।

गौरतलब है कि इससे पहले एक अन्य हेट स्पीच मामले में कोर्ट ने आजम खान को तीन साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधानसभा सदस्यता चली गई। आज एक और हेट स्पीच मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। आजम खान के धुर विरोधी भाजपा नेता एवं शहर विधायक आकाश सक्सेना हनी ने इसे सत्य की जीत बताया। उन्होंने कहा की हमने हमेशा सत्य की लड़ाई लड़ी है। आकाश सक्सेना ने आजम खान की ओर इशारा करते हुए कहा कि जो कहते न्यायपालिका का फैसला सही है, वो आज भी यही कहें कि आज भी फैसला सही है। उन्होने कहा कि न्यायालय द्वारा हेट स्पीच मामलों का संज्ञान लेने से ऐसे मामलों में कमी आई है। साथ ही राजनीतिक स्तर में सुधार हुआ है। अब लोग हेट स्पीच देने से बचेंगे। आजम पक्ष के अधिवक्ता जुबैर अहमद खान ने कहा कि शनिवार को कनविक्शन था। इसके खिलाफ वह स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट जाएंगे।

बंगाल में पंचायत चुनाव हिंसा बदस्तूर जारी, मृतकों की संख्या 54 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पिछले जून के मध्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद से शुरू हुई चुनाव संबंधी हिंसा जारी है और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो और घायल कार्यकर्ताओं ने शनिवार को शहर के अलग-अलग अस्पतालों में दम तोड़ दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार भांगर इस शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर दक्षिण 24 परगना में है, जहां चुनाव से एक दिन पहले सात जुलाई को उपद्रवियों के एक समूह ने टीएमसी के बूथ अध्यक्ष मोरस्लेम शेख (62) को पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था,शनिवार को तड़के ईएम बाईपास पर एक निजी अस्पताल में उनकी मौत हो गई।

टीएमसी ने उन पर हमले के लिए इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों पर आरोप लगाया था, जिसका आईएसएफ नेतृत्व ने खंडन किया था। मुख्य रूप से अल्पसंख्यक बाहुल क्षेत्र भांगर में आईएसएफ के बड़ी संख्या में समर्थक है और इन आरोपों के बावजूद कि सत्तारूढ़ शासन ने उसके उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से रोका था, ग्रामीण चुनाव क्षेत्रों में उसने अच्छा प्रदर्शन किया।

एक अन्य टीएमसी कार्यकर्ता, जिसकी पहचान नांटू गाजी के रूप में हुई है, पर उस समय जानलेवा हमला किया गया, जब वह अपने दोस्तों के एक समूह के साथ आईएसएफ कार्यकर्ताओं का विरोध करने के लिए गुरुवार को दक्षिण 24 परगना के कैनिंग में सतमुखी गाजीपारा गया था।

हिमाचल से 70 हजार पर्यटक अपने गंतव्यों को किया रवाना : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला। हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा के कारण आई आपदा में फंसे लोगों और पर्यटकों को निकालने का अभियान पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि राज्य सरकार ने लगभग 70 हजार पर्यटकों को सुरक्षित रवाना कर दिया है और अब लगभग 500 पर्यटक ही हिमाचल प्रदेश में स्वेच्छा से रुके हैं। उन्हें खाने पीने और अन्य जरूरी चीजों उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

सुक्खू ने कहा कि सभी पर्यटकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बड़े पैमाने पर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में बचाव कार्य आरंभ किए गए और सभी के सहयोग से इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश से लगभग 15000 गाड़ियों को सुरक्षित वापस भेजा गया है। उन्होंने कहा कि 80% आपदा प्रभावित क्षेत्रों में बिजली, पानी और मोबाइल सेवाओं को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बचे हुए क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं को जल्द से जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियों, एनडीआरएफ, भारतीय सेना आदि द्वारा इस आपदा में राहत एवं बचाव कार्यों को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए उनके प्रयासों की प्रशंसा भी की। सुक्खू ने कहा कि आपदा बहुत बड़ी है और बाढ़ से राज्य में लगभग 8000 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। राज्य के लोग इसका मजबूती के साथ सामना कर रहे हैं और राज्य सरकार पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है। उन्होंने पुनः आग्रह किया कि केंद्र सरकार को भी राज्य सरकार की उदारता के साथ मदद करनी चाहिए।

नीतीश एवं तेजस्वी समेत छह के खिलाफ हत्या का शिकायती मुकदमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना। पटना के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद समेत छह लोगों के खिलाफ हत्या एवं हत्या के प्रयास और अन्य आरोपों में एक शिकायती मुकदमा दाखिल किया गया।

प्रभारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन झा की अदालत में यह शिकायती मुकदमा संख्या 6398/2023 भाजपा के एक कथित सक्रिय सदस्य गांधी मैदान थाना क्षेत्र स्थित सालिमपुर अहरा गली के निवासी कृष्ण कुमार सिंह उर्फ कल्लू ने भारतीय दंड विधान की धारा 323, 341, 307 302, 120 बी, 504, 506, 354, 34 के आरोपों के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, गांधी मैदान थाना अध्यक्ष अरुण कुमार, पुलिस उपाधीक्षक सदर पटना अशोक कुमार एवं अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ दायर किया है।

सुविचार

ईश्वर के समक्ष केवल प्रार्थना ही ना करे बल्कि ध्यान भी लगाए। प्रार्थना में हम ईश्वर से बात करते हैं जबकि ध्यान में ईश्वर हमसे बात करते हैं।

ट्वीट

फ्रांस में बैस्टिल डे परेड में भारत की सेना के टुकड़े-टुकड़े की स्टेपटल के साथ विजय उद्घोष और राफेल लड़ाकू विमान ने पेरिस के स्काई की सोभा और 'सारे जहां से अच्छा, हिंदोस्तां हमारा' की धुन से गूंज उठा पूरा फ्रांस।

-दीया कुमारी

जांच एजेंसियों व सरकारी मशीनरी का स्वार्थ सिद्धि में उपयोग करने वाली भाजपा ने जीएसटी नेटवर्क को पीएमएलए के तहत लाकर तानाशाही व दमन का एक नया षड्यंत्र रचा है। केंद्र सरकार का यह 'टैक्स टेररिज़्म' छोटे एवं मध्यम उद्यमियों को परेशान करने का हथकंडा है।

-अशोक गहलोत

कहानी

पतझड़ में बसंत

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

अप्रैल का पहला हफ्ता...खुला आसमान और हल्की-हल्की हवा...सड़क के दोनों तरफ झूमते गेहूँ के खेत...मैं तड़के ही सिर्फ चाय पीकर घर से एक्टिवा लेकर निकल पड़ा था। इधर चार-पाँच दिन से पछुवां हवा बह रही थी। इस महीने में इसे रवी की फसल पकाने वाली हवा कहते हैं। यह अपने साथ सुबह-शाम की हल्की ठंड भी ले आती है। इसलिए चलते समय एक स्वेटर पहन लिया था। अभी मैं सात-आठ किलोमीटर का रास्ता तय कर चुका हूँ, हवा की गति कुछ तेज हो गई है। इसी के साथ गेहूं की बालियों का खनक भरा संगीत फिजा गूंजने लगा है और खेतों में खड़ी फसल किसानों की अगवानी में खुशी से झूमती जा रही हैं।

सामने अपर प्राइमरी स्कूल, पारसपट्टी की इमारत दिखाई पड़ी। मेरे मन में एक हूक सी उठी- अभी चार रोज पहले यानि इकतीस मार्च तक मैं भी ऐसे ही एक स्कूल का हेडमास्टर था! बीस साल पहले पारसपट्टी न्याय पंचायत का समन्वयक था, तब मैं यहीं के प्राइमरी स्कूल के एक कमरे में अपना दफ्तर लगाता था। समय बीत जाता है, यादें बाकी रह जातीं हैं...सड़क पर आने-जाने वालों में अकेला मैं ही था, जिसने स्वेटर पहन रखा था। इसलिए जब भी मेरी तरफ कोई देखता, मुझे अटपटा लगता था। करीब साढ़े सात बज चुके थे। धूप खूब खिल उठी थी। मैंने स्कूल के सामने एक्टिवा रोक दी और स्वेटर उतार के डिक्की में रख दिया। तभी एक प्राइवेट बस रुकी, युवा अध्यापिका सुन्दर सी बच्ची के साथ नीचे आईं और स्कूल गेट की तरफ बढ़ गईं...

अप्रैल के महीने से यहाँ स्कूल सात बजे के हो जाते हैं, इस लिहाज से अध्यापिका जी आधे घंटे देर से पहुंची हैं। चेकिंग के चपेट में पड़ जातीं तो मामला रफा-दफा करने में चालीस हजार लग जाते...मेरा पहला वेतन तीन सौ रुपया था, अब शुरुआत चालीस हजार से होने लगी है। बेतहाशा पैसा बढ़ा है, उसी रेशिओ में करप्शन भी...महिलाएं कामकाजी होती हैं, तब भी उनको घरेलू काम निपटने ही पड़ते हैं। इसलिए अप्रैल में नए सिरे से एडजस्ट करने में चार-छह दिन लगने लाज़मी हैं...मन ही मन अध्यापिका को क्लीन चिट देते हुए मैं पाण्डेबाबा बाजार आ गया था।

पहले इधर आने पर सीधे मोतीलाल वर्मा के यहाँ जा बैठता था। यह रिटायर्ड टीचर और यारबाज़ आदमी थे। मिलने-जुलने वालों को देखते ही खुशी से झूम उठाते थे। मगर पिछली सर्दियों में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। मैं उनके मकान के सामने वाली चाय की दुकान में बैठ गया। दुकानदार मुझे पहचाता था, लिहाजा दुआ-सलाम और हालचाल लेने की औपचारिकता के बाद चाय बनाने लगा। मैंने मोबाइल निकाल, शिवनारायण गोस्वामी का नम्बर डायल किया। दो बार तो पूरी रिंग गई, फोन ही नहीं उठा। तीसरी बार फोन उठा-हेलो...!

आप कहाँ हैं ? आज आप ने पाण्डेबाब में मिलने को कहा था।-मैंने पूँछा।

भाई साहब, माफ करना। आज मुझे अचानक से बेटी के यहाँ जाना पड़ रहा है...मैं एकदम तैयार था, लेकिन कल रात बिटिया के ससुर जी नहीं रहे...-गोस्वामी ने बताया।

दो-एक औपचारिक बातों के बाद मैंने फोन काट दिया। मुझे रामनाथ तिवारी का खयाल आया। यह भी हमारे साथ का अध्यापक था। साथ-साथ ट्रेनिंग हुई थी। उसकी उम्र ज्यादा थी, लिहाजा पहले सेवामुक्त हो गया था। घूमने-टहलने का शौकीन था और कई बार कह चुका था कि रिटायरमेंट के बाद पुराने दोस्तों से मिलने-जुलने का सिलसिला जमाया जाएगा। इस साल मेरा और शिवनारायण गोस्वामी का इकतीस मार्च को रिटायरमेंट था, हम फरवरी के शुरू में दियरा में सिटी रेस्टोरैंट में बैठे थे और सेवामुक्ति के बाद मस्ती करने मित्रों के यहाँ जाने की चर्चा कर रहे थे तो वहीं बैठे रामनाथ ने कहा था-भाई, हो सके तो मुझे भी खबर देना...

> **आगे बढ़ने पर बागों में पक्षियों के चहकने का बेतहाशा कलरव था, यानी सुबह के निकले पक्षी घोंसले में लौट आए थे। दिन में हवा में तेजी थी, तो शाम सर्द होने लगी थी। मैं ने स्कूटर रोक दिया और डिक्की से निकाल कर स्वेटर पहन लिया। आज का दिन एक अनचाहा मोड़ जरूर ले लिया था, इसका अंदरूनी मलाल भी था, मगर सतनाम की बात से मन धीरे-धीरे सहज हो रहा था।**

मैंने रामनाथ को फोन लगाया। रिंग जाती रही, फोन नहीं उठा। दोबारा डायल किया तो करीब-करीब आखिरी रिंग पर फोन उठ गया। कुछ कमजोर सी आवाज आई-नमस्कार भाई साहब, कैसे हैं ?

नमस्ते तिवारी भाई, मैं एकदम ठीक हूँ। आप घर पर हों तो आ जाऊं, इंद्रजीत के यहाँ चला जाए।-मैंने पेशकश की। इंद्रजीत हम दोनों का अजीज था। पूरे सेवाकाल में हमारा गहरा दोस्ताना ताल्लुक बना हुआ था।

रामनाथ ने बताया-मैं हूँ तो घर पर ही, मगर मेरे घुटने का आपरेशन हुआ है। इसलिए अभी कुछ दिन कहीं आने-जाने पर रोक है। बाकी उनके यहाँ जाना तो जरूरी है...

ऐसा क्या हो गया घुटने में ?

आर्थराइटिस का मामला है।-तिवारी ने बताया।

दुकानदार ने चाय का गिलास मेरे सामने रख दिया था। मैंने धीरे-धीरे चाय सिप की। दुकानदार को पैसे दिए और एक्टिवा स्टार्ट कर सीधे तिवारी के यहाँ गौरा चल पड़ा। बीमारी-आजारी की बात सुनकर भी किसी के यहाँ न पहुंचना ठीक नहीं ! पाण्डेबाबा से गौरा की दूरी कुल पाँच किलोमीटर होगी। करीब पन्द्रह मिनट के बाद मैं तिवारी के यहाँ था। रामनाथ मुझे देखकर खुश हुए। मेरे आने से परिवार के लोगों यानि उनके बेटा, भतीजा और पत्नी सब के चेहरे पर प्रसन्नता थी। हम देर तक पढ़ाई-लिखाई, ट्रेनिंग और अध्यापकीय जीवन की बात करते रहे। बीच में चाय-पानी भी हुआ। फिर बात तिवारी के घुटने के आपरेशन पर आ टिकी। उनके पैरों की गठिया की समस्या का तो पता था, लेकिन आपरेशन...रामनाथ ने खुद बताया-अचानक घुटने जाम हो गए, डॉक्टर ने कहा आपरेशन मस्ट है... और कोई चारा नहीं ! यह सब बढ़ती उम्र की परेशानियाँ हैं...अब देखो न, इंद्रजीत की पत्नी कितनी ऐक्टिव रहती थीं ? तगड़ी-तंदरुस्त... अचानक एक झटके में...

उनको क्या हो गया?-मैंने पूछा।

आपको नहीं पता, परसों ब्रेन हेमरेज हुआ और सुलतानपुर पहुंचते-पहुंचते सांसें थम गईं। आप ने जब इंद्रजीत के यहाँ चलने को कहा तो मुझे लगा, इसी सिलसिले में जा रहे हैं।-तिवारी ने स्पष्ट किया।

मैं तो ऐसे ही आपसदारी के मेल-मिलाप में जा रहा था। उनकी पत्नी वाले मामले की कोई जानकारी नहीं थी। खैर...अब मैं सीधे उनके यहाँ जाऊंगा, आपकी स्थिति से भी अवगत करा दूंगा...

वह सब ठीक है।-तिवारी ने मेरी बात काटते हुए कहा-पहले आप भोजन कर लें। फिर जाएं... ग्यारह से ऊपर का समय हो रहा है..।

आखिरकार रामनाथ के यहाँ से भोजन करने के बाद ही मैं निकल सका। दियरा चौराहे पर पहुँचकर मैंने सेब और अंगूर खरीदे और फिर इंद्रजीत भाई के यहाँ सखौली पहुँच गया। वह बेहद दुखी थे। रोते हुए आदमी को अपनी चुहलबाजियों से हँसाने वाले इंद्रजीत आज खुद रो रहे थे। ज्यादा रोना इस बात का था कि मास्टरइन दवा-दुआ का अवसर दिए बिना कुल एक घंटे में पचास साल का सम्बन्ध तोड़ गईं। बच्चे अलग परेशान...श्राद्ध सम्बन्धी जो कर्मठ होते हैं, उसके आयोजन का उनको कोई अनुभव नहीं था। क्या करें, कैसे सपारें ? गाँव में अब पहले वाली सघन सामूहिकता नहीं बची है, अन्यथा ऐसे दुर्दिन में चार-छह मददगार हर समय मुस्तैद रहते थे। खैर...मैंने बच्चों को समझाया, इंद्रजीत को भी... भाई, अब शोक मनाने को तो सारी जिन्दगी पड़ी है। अभी जो मौके की जिम्मेदारी है, इसे पूरा कराएं...बच्चे अकेले नहीं देख पाएंगे...

इंद्रजीत के यहाँ से करीब पाँच बजे निकल पाया। सवेरे तफरी के इरादे से निकला था, मगर क्या देखने को मिला ? यह बदली हुई स्थिति मेरे मन में उथल-पुथल मचा रखी थी...कुछ खिन्न मनःस्थिति में मैं अपनी एक्टिवा पर बैठा मैं गोमती पुल पार करने के बाद दियरा बाजार की तरफ निकल रहा था, तभी सतनाम मास्टर साहब दिखे। वही लंबा, मजबूत, काला शरीर और चमकती हुई बत्तीसी...हाथ जोड़कर स्कूटर के आगे आ गए। मैंने स्कूटर रोक दिया। उन्होंने कहा-बहुत दिन बाद मिले। आइए भाई, दस मिनट हमारे यहाँ भी बैठ लें। एक गिलास जल ग्रहण करें..।

मुझे प्यास भी लगी थी। वैसे तो मातम वाले घरों में भी पानी पिलाया जाता है, मगर इंद्रजीत के यहाँ सदमा ऐसा जबरदस्त था कि सब के सब बौखलाये हुए थे। किसी को कुछ नहीं सूझ रहा था। सतनाम जी का घर सड़क के किनारे ही है। स्कूटर उनके दरवाजे के सामने खड़ी करके मैं फाइबर की एक कुर्सी पर बैठ गया। सतनाम ने एक स्टूल मेरे सामने रख दिया और खुद पलंग पर बैठ गए। कुछ देर बाद अन्दर से उनकी बहू पानी का जग, गिलास और एक कटोरी में गुड़ लाकर स्टूल पर रख गई। मैंने एक टुकड़ा गुड़ खाया और पूरी हौंक के साथ दो गिलास पानी पी गया। मास्टर साहब ने आवाज दिया-शुभावती...

दस-ग्यारह साल की एक लड़की बाहर आई और उनके इशारे पर जग वगैरह अन्दर ले गई। दो-चार बातें करके मैं चलने के लिए उठने को हुआ तो उन्होंने रोक दिया-चाय तैयार हो रही है, बस, दो मिनट लगेंगे।

कुर्सी के पुस्त पर टेक लेकर मैं आराम की मुद्रा में बैठ गया। कुछ देर में शुभावती चाय ले आई। मैंने ध्यान दिया, गिलास में थोड़ी-थोड़ी ही चाय थी। बाकी क्या है कि गाँव में गिलास आधे से ज्यादा भर के चाय देने का प्रचलन है। सतनाम मास्टर ने एक गिलास मेरी तरफ बढ़ाया और दूसरा स्वयं ले लिये। चाय की एक चुस्की लेकर मैंने सतनाम की तरफ देखा-बहुत अच्छी चाय है।

वह संतुष्टि के भाव में मुस्कराए, फिर बोले-आज इधर कहाँ...?

मैंने मन का सारा गुबार बेहिचक उनके सामने रख दिया। पहले उन्होंने मुझे गहरी नजर से देखा, फिर गंभीर होकर बोले-मास्टर साहब, आप का उद्देश्य ही गलत था। सेवा निवृत्ति के बाद जिन्दगी का पतझड़ शुरू होता है, इसमें बसंत की खोज का क्या मतलब...? अब जो मिल सकता था, वही आप को मिला...वैसे इस उम्र में हम एक-दूसरे की खोज-खबर लेते रहें, आमने-सामने की मुलाकात हो या फिर मोबाइल की बातचीत...हम आपका आप मेरा अकेलापन बांटें तो यह जीवन में बसंत लाने जैसा ही होगा...बस नजरिया बदलें...

मैंने कुछ नहीं कहा। धीरे-धीरे चाय की चुस्कियां लेता रहा। उनकी बात ठीक ही थी। चाय समाप्त हुई तो मास्टर जी से चलने की इजाजत मांगी। उन्होंने एक छोटी तश्तरी मेरे सामने कर दिया, तश्तरी में पान मसाला के चार-पाँच पाउच, सिगरेट का पैकिट, माचिस और थोड़ी सी इलायची-लौंग...! मैंने एक इलायची उठा ली और उसे छीलता हुआ स्कूटर की तरफ चलने लगा। वह साथ थे, कहने लगे- मुझे रिटायर हुए पंद्रह साल हो चुके। अब मैं अकेले कहीं आने-जाने में असमर्थ हो गया हूँ। जब भी इधर से गुजरें, दस-पाँच मिनट का समय मेरे लिए भी निकालें। मुझे अच्छा लगेगा...

मैंने उनके कंधे पर हाथ रखा और आँखों में झाँकते हुए आश्वस्त किया-अवश्य...।

दियरा बाजार से आगे बढ़ने पर बागों में पक्षियों के चहकने का बेतहाशा कलरव था, यानी सुबह के निकले पक्षी घोंसले में लौट आए थे। दिन में हवा में तेजी थी, तो शाम सर्द होने लगी थी। मैं ने स्कूटर रोक दिया और डिक्की से निकाल कर स्वेटर पहन लिया। आज का दिन एक अनचाहा मोड़ जरूर ले लिया था, इसका अंदरूनी मलाल भी था, मगर सतनाम की बात से मन धीरे-धीरे सहज हो रहा था।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

तुम कब लौटोगे मनुज..?

किसी विवाह के सिलसिले में एक बैंक्वेट हॉल में जाना था। हॉल के सामने के भाग की ओर रेस्टोरेंट है। दोनों के लिए स्वतंत्र दरवाज़ा है पर कैब ने मुझे रेस्टोरेंट के सामने उतारा। मैं रेस्टोरेंट से होता हुआ बैंक्वेट की ओर बढ़ चला। सुंदर सजा हुआ रेस्टोरेंट है। देखता हूँ कि कृत्रिम तालाब बना हुआ है। तालाब में स्वच्छ पानी है और बड़ी-बड़ी, लंबी और चपटी मछलियाँ तैर रही हैं। मछलियाँ गहरे नारंगी और काले रंग की हैं। ग़ौर से देखने पर समझ में आता है कि इस उथले कृत्रिम तालाब में मुश्किल से एक से सवा फीट तक ही पानी है। मछलियाँ थोड़ा-सा ऊपर उठ जाएँ तो सतह से ऊपर आ जाएँगी और ज़रा सा नीचे उतर जाएँ तो तल से लग जाएँगी। लगा जैसे वे तैरने के बजाय पेट के बल रेंग रही हों।

सोचा कि बीज के रूप में नन्ही-नन्ही मछलियाँ कभी इस तालाब में उतारी गई होंगी। तब से वे जीवन के लिए संघर्ष कर रही हैं। जीने का उनका हौसला है, बढ़ने का उनका संकल्प है। ये मछलियाँ निरंतर जी रही हैं, निरंतर आगे बढ़ रही हैं। उनकी दुनिया इस नाम मात्र के कृत्रिम सरोवर तक सीमित है पर इस सीमा में ही असीम भाव से जीवन और सृजन चल रहे हैं।

फल के भीतर पलने वाले कीट का जीवन फल तक ही सीमित रहता है। फल कटा तो कीट के जीवन के भी परखच्चे उड़ जाते हैं। तथापि सारी विसंगतियों के बीच सृजन अविराम है, निरंतर है।

कोई छोटा-बड़ा जलचर, कुआँ, तालाब, ताल, तलैया, पोखर, बावड़ी, नदी, समुद्र इनमें से जहाँ भी है, वहीं जी रहा होता है। जल यदि सूखने लगे तब भी अंतिम बूंद तक संघर्ष करता है, सृजन जारी रखता है।

नभचर पक्षी तीव्र धूप, मूसलाधार बारिश, तूफान, सब सहते हैं पर जुटे रहते हैं जीवन में, सृजन में।

इन सब की तुलना में मनुष्य सबसे बुद्धिमान है, उसका विस्तार बहुत अधिक है। मनुष्य यूँ तो थलचर है पर अपने बनाए साधनों से जल और नभ दोनों में विचरण कर सकता है। उसने थल, जल, थल, नभ सब पर एक तरह से आधिपत्य कर लिया है पर सृजन की तुलना में विध्वंस अधिक किया है।

समुद्र के गर्भ में न्यूक्लियर हथियार लिए पनडुब्बियाँ घूम रही है। अंतरिक्ष, विनाशकारी शस्त्रास्त्रों से भरा पड़ा है। तोप और मिसाइलों के मुँह एक दूसरे के विरुद्ध खोलकर मनुष्य तैयार है युद्ध के लिए। मनुष्य जानता है कि युद्ध में अकल्पनीय हानि होती है तब भी युद्ध जारी हैं।

एक और अपनी क्षमता से निरंतर निर्माण में जुटे ये सारे जीव हैं जिन्हें हम बुद्धिहीन मानते हैं। दूसरी और हम मनुष्य हैं जो बुद्धि का वरदान लिए हैं पर विध्वंस बो रहे हैं।

एक और अखंड सृजन, दूसरी ओर अखंड विखंडन। असमय बरसात, बदलता मौसमचक्र, ग्लोबल वॉर्मिंग इसी विध्वंसक वृत्ति का परिणाम हैं। आश्चर्य है कि विध्वंसक वृत्ति के परिणाम निरंतर भोगने के बाद भी मनुष्य रुकने या लौटने के लिए तैयार नहीं है।

इस चिंतन के लगभग समानांतर चलती अपनी एक कविता स्मरण हो आई है,

अंजुरि में भरकर बूँदें / उछाल दी अंबर की ओर,
बूँदें जानती थीं / अस्तित्व का छोर,
लौट पड़ी नदी की ओर..,
मुट्ठी में धरकर दाने/ उछाल दिए आकाश की ओर,
दाने जानते थे/ उगने का ठौर
लौट पड़े धरती की ओर..,
पद, धन, प्रशंसा, बाहुबल के/ पंख लगाकर
उड़ा दिया मनुष्य को/ ऊँचाई की ओर..,
..........,...........,
तुम कब लौटोगे मनुज..?

स्मरण रहे, विखंडन से सृजन की ओर लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।..तुम कब लौटोगे मनुज?

बोध कथा

सजा का मापदंड

एक बहुत समय पहले हरिशंकर नाम का एक राजा था। उसके तीन पुत्र थे और अपने उन तीनों पुत्रों में से वह किसी एक पुत्र को राजगद्दी सौंपना चाहता था। पर किसे? राजा ने एक तरकीब निकाली और उसने तीनो पुत्रों को बुलाकर कहा- अगर तुम्हारे सामने कोई अपराधी खड़ा हो तो तुम उसे क्या सजा दोगे? पहले राजकुमार ने कहा कि अपराधी को मौत की सजा दी जाए तो दूसरे ने कहा कि अपराधी को काल कोठरी में बंद कर दिया जाये। अब तीसरे राजकुमार की बारी थी। उसने कहा कि पिताजी सबसे पहले यह देख लिया जाये कि उसने गलती की भी है या नहीं।

इसके बाद उस राजकुमार ने एक कहानी सुनाई- किसी राज्य में राजा हुआ करता था, उसके पास एक सुन्दर सा तोता था। वह तोता बड़ा बुद्धिमान था, उसकी मीठी वाणी और बुद्धिमत्ता की वजह से राजा उससे बहुत खुश रहता था। एक दिन की बात है कि तोते ने राजा से कहा कि मैं अपने माता-पिता के पास जाना चाहता हूँ। वह जाने के लिए राजा से विनती करने लगा। तब राजा ने उससे कहा कि ठीक है पर तुम्हें पांच दिनों में वापस आना होगा। वह तोता जंगल की ओर उड़ चला, अपने माता-पिता से जंगल में मिला और खूब खुश हुआ। ठीक पांच दिनों बाद जब वह वापस राजा के पास जा रहा था तब उसने एक सुन्दर सा उपहार राजा के लिए ले जाने का सोचा।

वह राजा के लिए अमृत फल ले जाना चाहता था। जब वह अमृत फल के लिए पर्वत पर पहुंचा तब तक रात हो चुकी थी। उसने फल को तोड़ा और रात वहीं गुजारने का सोचा। वह सो रहा था कि तभी एक सांप आया और उस फल को खाना शुरू कर दिया। सांप के जहर से वह फल भी विषाक्त हो चुका था। जब सुबह हुई तब तोता उड़कर राजा के पास पहुँच गया और कहा- राजन मैं आपके लिए अमृत फल लेकर आया हूँ। इस फल को खाने के बाद आप हमेशा के लिए जवान और अमर हो जायेंगे। तभी मंत्री ने कहा कि महाराज पहले देख लीजिए कि फल सही भी है कि नहीं ? राजा ने बात मान ली और फल में से एक टुकड़ा कुत्ते को खिलाया। कुत्ता तड़प-तड़प कर मर गया। राजा बहुत क्रोधित हुआ और अपनी तलवार से तोते का सिर धड़ से अलग कर दिया। राजा ने वह फल बाहर फेंक दिया। कुछ समय बाद उसी जगह पर एक पेड़ उगा। राजा ने सख्त हिदायत दी कि कोई भी इस पेड़ का फल ना खाएं क्यूंकि राजा को लगता था कि यह अमृत फल विषाक्त होते हैं और तोते ने यही फल खिलाकर उसे मारने की कोशिश की थी। एक दिन एक बूढ़ा आदमी उस पेड़ के नीचे विश्राम कर रहा था। उसने एक फल खाया और वह जवान हो गया क्यूंकि उस वृक्ष पर उगे हुए फल विषाक्त नहीं थे। जब इस बात का पता राजा को चला तो उसे बहुत ही पछतावा हुआ उसे अपनी करनी पर लज़्ज़ा हुई। तीसरे राजकुमार के मुख से यह कहानी सुनकर राजा बहुत ही खुश हुआ और तीसरे राजकुमार को सही उत्तराधिकारी समझते हुए उसे ही अपने राज्य का राजा चुना।

शिक्षा:- किसी भी अपराधी को सजा देने से पहले यह देख लेना चाहिए कि उसकी गलती है भी या नहीं, कहीं भूलवश आप किसी निर्दोष को तो सजा देने नहीं जा रहे हैं। निरपराध को कतई सजा नहीं मिलनी चाहिए।

वीर गाथा

कैप्टन नवपाल सिंह सिद्धू: आगे बढ़कर स्वीकार की चुनौती, 3 आतंकवादियों को किया ढेर

कैप्टन नवपाल सिंह सिद्धू का जन्म राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर में हुआ था। परिवार के कई सदस्य सशस्त्र बलों में सेवा दे रहे थे, इसलिए नवपाल का भी सपना था कि वे उनके पदचिह्नों पर चलते हुए देश के लिए उल्लेखनीय कार्य करें। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल आज्ञापाल सिंह ने साल 1965 और 1971 के युद्ध में भाग लिया था।

पारिवारिक माहौल से प्रेरणा लेते हुए नवपाल भी सेना में भर्ती हो गए। उन्हें मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट की 19 एमएलआई बटालियन में नियुक्त किया गया। अपनी मूल यूनिट में कुछ वर्षों तक सेवा देने के बाद नवपाल को 27 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन में जम्मू-कश्मीर भेज दिया गया।

साल 2002 में कैप्टन नवपाल अपनी यूनिट के साथ पुंछ सेक्टर में तैनात थे। चूंकि यह इलाका आतंकवाद से प्रभावित था, इसलिए बटालियन के जवानों को अभियान के लिए हमेशा तैयार रहना पड़ता था।

30 दिसंबर को जब पूरी दुनिया नए साल के स्वागत की तैयारी कर रही थी, यूनिट को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि सुरनाकोट इलाके में कुछ खूंखार आतंकवादी छुपे हुए हैं, जो मौका पाते ही बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं।

सूचना का विश्लेषण करने के बाद आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू करने का फैसला लिया गया। कैप्टन नवपाल को भी उस टीम में शामिल किया गया। हमला करने वाली टीम उस इलाके में पहुंची और उसने घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

अब तक आतंकवादियों को जवानों के आने का पता चल चुका था। उन्होंने उनकी ओर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में जवानों ने भी गोलीबारी की। इस दौरान नवपाल ने जबरदस्त बहादुरी दिखाते हुए तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया। अब तक नवपाल को भी गोलियां लग चुकी थीं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुए और वीरगति को प्राप्त हो गए। उस अभियान में शामिल जवानों ने कठोरता से कार्रवाई करते हुए सभी आतंकवादियों का खात्मा कर दिया।

कैप्टन नवपाल एक बहादुर सैनिक थे, जो आगे बढ़कर चुनौतियां स्वीकार करते थे। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। कैप्टन नवपाल सिंह सिद्धू को शौर्य चक्र से सम्मानित किया।

महत्त्वपूर्ण

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मन की बात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को हरिद्वार के एक मंदिर में महा शिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के बाद एक भक्त ने नंदी के कान में अपनी इच्छाएं कही।

सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर भारत के समर्थन में जुटे भारतीय अमेरिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सैन फ्रांसिस्को/भाषा। भारतीय वाणिज्य दूतावास में हाल में खालिस्तान समर्थकों द्वारा आगजनी की कोशिश किये जाने के बाद बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों ने भारत के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए यहां वाणिज्य दूतावास के बाहर एक शांति रैली आयोजित की। खालिस्तान समर्थकों द्वारा 2 जुलाई को ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास में आगजनी का कृत्य दिखाया गया था। यह कुछ महीनों के भीतर हिंसा की दूसरी घटना थी।

शुक्रवार को बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों ने हालिया हिंसा के कृत्य के खिलाफ यहां भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर एक शांतिपूर्ण रैली की और भारत का समर्थन किया। प्रदर्शनकारियों ने उक्त हिंसा को आतंकवादी कृत्य बताया और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में खड़ा करने की मांग की। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने बृहस्पतिवार को यहां वाणिज्य दूतावास का दौरा किया था और मिशन में भारतीय राजनयिकों और अधिकारियों से मुलाकात की थी। भारत ने कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे अपने साझेदार देशों से कहा है कि वे चरमपंथी खालिस्तानी विचारधारा को तवज्जो नहीं दें क्योंकि यह द्विपक्षीय संबंधों के लिए अच्छा नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस महीने की शुरुआत में नयी दिल्ली में कहा था, हमने कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसे हमारे सहयोगी देशों, जहां खालिस्तानी गतिविधियां हुई हैं, उनसे आग्रह किया है कि वे खालिस्तानियों को तवज्जो नहीं दें, क्योंकि उनकी (खालिस्तानियों की) चरमपंथी, अतिवादी सोच न तो हमारे लिए, न ही उनके लिये और न ही उनसे (उन देशों से) हमारे संबंधों के लिए ठीक है।

गत 19 मार्च को खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला किया था और उसे नुकसान पहुंचाया था। खालिस्तान समर्थक नारे लगाते हुए, प्रदर्शनकारियों ने शहर की पुलिस द्वारा लगाए गए अस्थायी सुरक्षा अवरोधकों को तोड़ दिया था और वाणिज्य दूतावास परिसर के अंदर दो तथाकथित खालिस्तानी झंडे लगा दिए थे। वाणिज्य दूतावास के दो कर्मियों ने जल्द ही उन झंडों को हटा दिया था।

उत्तर कोरियाई मिसाइल गिरने की जानकारी की जाँच कर रहा है रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को। रूसी राजनयिक और रक्षा मंत्रालय के विशेषज्ञ रूसी विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर उत्तर कोरियाई मिसाइल के कथित रूप से गिरने के बारे में जानकारी की जांच कर रहे हैं। रूसी उप विदेश मंत्री एंड्री रुडेंको ने यह जानकारी दी।

संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव खालिद खियारी ने गुरुवार को कहा कि उत्तर कोरिया द्वारा 12 जुलाई को दागी गई मिसाइल रूस के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरी और संभवतः यह सबसे लंबा बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण था। रुडेंको ने कहा, जहां तक ङ्घङ्घमुझे पता है, मेरे सहयोगी और रक्षा मंत्रालय अभी भी इसकी जांच कर रहे हैं, लेकिन अभी तक हमारे पास कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है कि मिसाइल रूस के आर्थिक क्षेत्र में गिरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने अपने कार्यों से उत्तर कोरिया को जवाबी कार्रवाई करने के लिए उकसाया। राजनयिक ने कहा हमारी स्थिति ज्ञात है, और हमने फिर दोहराया है कि ये सभी चीजें: प्रक्षेपण व अन्य सैन्य तैयारी संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा की गई कार्रवाइयों की प्रतिक्रिया है। वे वास्तव में उत्तर कोरिया को अपनी रक्षा क्षमताएं बनाने के लिए उकसा रहे हैं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने अफगानिस्तान को लगाई कड़ी फटकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

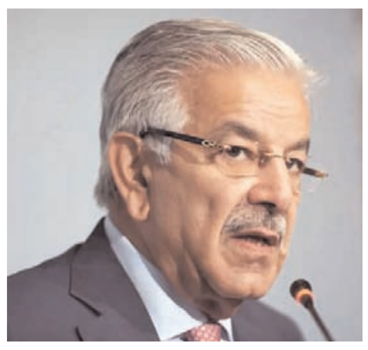

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को दोहा शांति समझौते में किए गए महत्वपूर्ण दायित्वों की उपेक्षा करने के लिए शनिवार को कड़ी फटकार लगाई। मंत्री का यह बयान पाकिस्तान के सशस्त्र बलों द्वारा अफगानिस्तान के भीतर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा प्राप्त सुरक्षित पनाहगाहों और आवाजाही की स्वतंत्रता के बारे में गंभीर चिंताएं व्यक्त करने के ठीक एक दिन बाद आया है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की क्वेटा गैरीसन की यात्रा के बाद बयान जारी किया था, जहां उन्हें बलूचिस्तान के झोब कैंट में एक सैन्य प्रतिष्ठान पर हाल ही में हुए हमले के बारे में जानकारी दी गई थी। जनरल मुनीर इस समय ईरान में हैं और दो दिनों की आधिकारिक यात्रा पर कल वहां पहुंचे हैं।

बुधवार को हुए हमले में कुल नौ जवान शहीद हो गए जबकि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में पांच आतंकियों को मार गिराया। झोब जिला आयुक्त (डीसी) अज़ीम काकर के अनुसार इस घटना में गोलीबारी में फंसने से एक नागरिक महिला की भी मौत हो गई, जबकि पांच अन्य नागरिक घायल हो गए। आज एक ट्वीट में, रक्षा मंत्री ने दोहा समझौते में उल्लिखित अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफलता का आरोप लगाते हुए अफगानिस्तान पर हमला बोला और लिखा, अफगानिस्तान न तो पड़ोसी और भाईचारे वाले देश के रूप में अपना दायित्व पूरा कर रहा है और न ही शांति समझौते की रक्षा कर रहा है। आसिफ के मुताबिक पाकिस्तान ने 40 से 50 साल तक पांच से छह लाख अफगान शरणार्थियों को उनके सभी अधिकार बरकरार रखते हुए शरण दी है। उन्होंने कहा कि वे लोग ही थे जिन्होंने 2018 में इमरान खान को पेश किया था।

अगले चार वर्षों तक वे हमारे प्यारे देश के भारी विनाश करने के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने अल्लाह से शहीदों के बलिदान के माध्यम से अपने देश की रक्षा करने की प्रार्थना की। पिछले साल नवंबर में सरकार और प्रतिबंधित टीटीपी के बीच संघर्ष विराम की समाप्ति के बाद,पाकिस्तान में विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है।

ज़ोब गैरीसन पर हमले के अलावा आतंकवादियों ने सुई, बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों को भी निशाना बनाया, जिसके परिणामस्वरूप तीन बहादुर सैनिक शहीद हो गए, जो गोलीबारी के दौरान बहादुरी से लड़े थे। ऑपरेशन के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया गया।

बुधवार को एक साप्ताहिक समाचार ब्रीफिंग के दौरान विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग करने से रोकने के लिए अफगान अधिकारियों द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के महत्व की बात की।

बलूच ने कहा कि यह सुनिश्चित करना अफगान अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि उनकी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए नहीं किया जाए।

भीषण गर्मी के मद्देनजर इटली के 16 शहरों में रेड अलर्ट जारी

रोम/वार्ता। दक्षिणी यूरोप भीषण गर्मी की चपेट में हैं और इसके मद्देनजर इटली के 16 शहरों में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है और यह चेतावनी आने वाले दिनों के लिए रोम, फ्लोरेंस और बोलोग्ना सहित मुख्य पर्यटक स्थलों में भी लागू रहेगी।

यूरोप में अगले सप्ताह में तापमान में और वृद्धि होने की उम्मीद है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) इटली, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी तथा पोलैंड में स्थिति भयावह हो सकती है। ईएसए उपग्रह के जरिए सतह और समुद्र के तापमान पर नजर रख रही है। इटली की सरकार ने जिन शहरों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, वहां के नागरिकों से पूर्वाह्न 11 बजे से शाम बजे तक धूप से बचने की अपील की है। यूनान में हाल के दिनों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया है। भीषण गर्मी के कारण यहां के जंगलों में आग लगने का खतरा बढ़ गया है।

इसी तरह से जर्मनी और पोलैंड सहित मध्य यूरोपीय देशों में तापमान बहुत ऊंचा पहुंच गया है। चेक गणराज्य के मौसम विभाग ने सप्ताह के अंत में तापमान के 30 डिग्री से अधिक पहुंचने की संभावना व्यक्त की है। उधर, इंग्लैंड में शनिवार को भारी बारिश और तेज हवा चलने के आसार हैं। भीषण गर्मी का प्रकोप अमेरिका, चीन तथा उत्तर अफ्रीका तथा जापान के लोगों को भी झेलना पड़ रहा है।

कृति सैनन ने काजोल के साथ 'दो पत्ती' में काम करने का अनुभव शेयर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म दो पत्ती में काजोल के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया है।

कृति सैनन अब प्रोड्यूसर बन गयी है। कृति सैनन ने अपना प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाइ फिल्म्स' खोला है। इस बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म 'दो पत्ती' होगी, जिसमें काजोल की मुख्य भूमिका है।

कृति ने काजोल के साथ फिल्म दो पत्ती में काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया है।

अभिनेत्री कृति सैनन ने बताया, मैं काजोल के साथ लंबे समय बाद काम कर रही हूं। करीब सात या आठ साल बाद हम साथ काम कर रहे हैं।

मुझे याद है मैंने उनके साथ फिल्म दिलवाले में काम किया था, और वह मेरी दूसरी फिल्म थी। तब मैं बच्ची की तरह थी। मैं कुछ नहीं जानती थी, और अचानक से इन बड़े स्टार्स के सामने एक्टिंग करने का मौका मिल गया। और अब इतने समय बाद शूटिंग करना। काजोल किसी वाइब जैसी हैं, जो हर साल और बेहतर लगती हैं। 'दो पत्ती' ओटीटी प्लेटफॉर्म 'नेटफ्लिक्स' पर रिलीज होगी।

मीना कुमारी का किरदार निभाएंगी कीर्ति सैनन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री कीर्ति सैनन सिल्वर स्क्रीन पर ट्रैजेडी क्वीन मीना कुमारी का किरदार निभाएंगी। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा बतौर निर्देशक बॉलीवुड में अपना हाथ आजमाने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चर्चा है कि मनीष मल्होत्रा मीना कुमारी की बायोपिक से डेब्यू करेंगे। कहा जा रहा है कि इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज करेगी। चर्चा है कि कृति सैनन इस बायोपिक में मीना कुमारी की मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिलहाल फिल्म स्क्रिप्टिंग स्टेज पर है और उसके बाद कास्टिंग की जाएगी। इसके बाद मीना कुमारी के जीवन पर बन रही बायोपिक की शूटिंग होगी। कुछ आलोचकों ने हालांकि बायोपिक में कृति सेनन को मीना कुमारी की भूमिका में लेने का विरोध किया है।

पंकज त्रिपाठी ने 'मैं अटल हूं' की शूटिंग पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

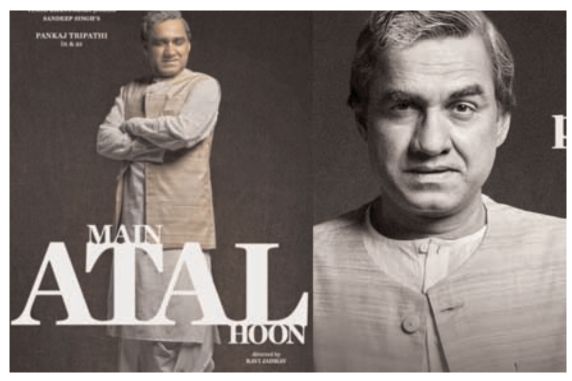

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अपनी आने वाली फिल्म मैं अटल हूं की शूटिंग पूरी कर ली है। 'मैं अटल हूं' की कहानी भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जिंदगी पर आधारित है।

इस फिल्म मे पंकज त्रिपाठी अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में नजर आयेंगे।इस फिल्म का निर्माण विनोद भानुशाली, संदीप सिंह, सैम खान और कमलेश भानुशाली कर रहे हैं। पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'मैं अटल हूं' की शूटिंग पूरी हो गई है। पंकज त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर रैप-अप का एलान करते हुए एक बीटीएस वीडियो शेयर किया है। क्लिप में अटल वाजपेयी के अवतार में पंकज त्रिपाठी को स्पीच देते हुए देखा जा सकता है।

पंकज त्रिपाठी ने कैप्शन में लिखा, इस अटल यात्रा को हमेशा याद किया जाएगा और संजोया जाएगा। मैं श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के शानदार व्यक्तित्व को बड़े पर्दे पर चित्रित करने के लिए भाग्यशाली महसूस करता हूं।

'बवाल' की स्क्रिप्ट सुनकर भावुक हो गये थे वरूण धवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरूण धवन फिल्म बवाल की स्क्रिप्ट सुनकर भावुक हो गये। नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'बवाल' में वरूण धवन और जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिका है। वरूण धवन ने कहा, जब मुझे बवाल के लिये नैरेशन मिला तो मैं भावुक हो गया। हर बार जब यह हमें सुनाया जाता है, तो मैं भावुक हो जाता हूं। जब आपकी भावनाएं लगातार एक जैसी होती हैं, तभी मुझे लगता है यह एकदम सही स्क्रिप्ट है।

प्राइम वीडियो पर होगी 21 जुलाई को रिलीज

जान्हवी कपूर ने कहा, जब पहली बार मेरे सामने बवाल की स्क्रिप्ट का नरेशन किया गया, तो यह लगभग 30 मिनट लंबी था, इसे सुनकर आखिर में मेरे आंखों में आंसू आ गए। मैं कुछ ही हिस्सों में हंसी। साजिद नाडियाडवाला निर्मित फिल्म बवाल प्राइम वीडियो पर 21 जुलाई 2023 को रिलीज होगी।

शाहरूख खान की फिल्म 'जवान' का प्रिव्यू थीम सांग रिलीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान की आने वाली फिल्म जवान का प्रिव्यू थीम सांग रिलीज हो गया है।

शाहरूख खान इन दिनों दक्षिण भारतीय निर्देशक एटली की आने वाली फिल्म जवान में काम कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म जवान का प्रिव्यू रिलीज किया गया था, जिसे लोगो ने काफी पसंद किया। अब जवान का प्रीव्यू थीम सांग को रिलीज कर दिया है। यह एक रैप सांग है। इसका संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है, वहीं राजा कुमारी ने इस रैप को अपनी आवाज दी है।

निर्देशक एटली ने अपने इंस्टाग्राम पर जवान प्रीव्यू थीम सांग की छोटी सी झलक साझा की है, जिसमें राजा कुमारी की आवाज सुनाई दे रही है। इसके कैप्शन में, एटली ने लिखा, 'वह थीम जो जवान को परिभाषित करती है! इसके बाद उन्होंने शाहरुख समेत कई लोगों को टैग किया। फिल्म जवान 07 सितंबर को रिलीज होगी। जवान हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु में भी रिलीज होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

दिल और दिमाग के बीच संघर्ष में इंसान को हमेशा दिल की आवाज सुननी और चुननी चाहिए। मनुष्य अपने दिमाग के अनुसार चले तो छाछ पाएगा, पर दिल की आवाज सुने तो उसे मक्खन मिलेगा। आज इंसान हर कदम इसी द्वंद्व में जी रहा है। उसकी सोच, कर्म और निर्णय की प्रक्रिया इस दिल और दिमाग के द्वंद्व से गुजर रहा है। इसमें मूल रूप से इंसान का दोष नहीं, पर उसकी जिम्मेदारी तो है। दोष असल में उसकी आंतरिक शक्तियों की कमी, कमजोरी और निर्बलता में है, जिसका कारण और निवारण मनुष्य स्वयं ही है।

मधुमेह एवं रक्तचाप जांच शिविर में 100 लोगों की जांच हुई

शिविर में 64 लोगों को नि:शुल्क दवा दी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाइए) कॉस्मो फाउंडेशन के तत्वावधान में मेडीबैंक परियोजना के अंतर्गत शनिवार को नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप जांच शिविर शांतिदेवी जवाहरमल चंदन डे केयर एंड डायग्नोसिस सेंटर में आयोजित किया गया। शिविर में फाउंडेशन के चिकित्सकों ने सौ लोगों की मधुमेह व रक्तचाप की जांच की, जिनमें चौसठ लोगों में स्वास्थ्य प्रतिकूलता पायी जाने के कारण उनको पंद्रह दिन की दवाई नि:शुल्क दी गई। यह शिविर निर्मलादेवी सोभागमल शाह परिवार के सौजन्य से आयोजित हुआ। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने लाभार्थी परिवार का सम्मान किया। शिविर में आरवाइए कॉस्मो के अध्यक्ष रंजीत गादिया, सचिव नवरतन गादिया, फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी अभय लोढ़ा, प्रोजेक्ट सचिव मनोज चौहान, विनोद भूतोरिया, प्रवीण बोहरा, विनोद छाजेड़ आदि ने उपस्थिति दर्ज कराई।

सुख का मूल धर्म है तो दुख का मूल पाप हैं : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वी चैतन्याश्री जी म.सा. ने अपने प्रवचन में बताया कि अगर पुण्य हमारे पास हैं तो हमें सभी वह भोग वस्तुएं प्राप्त हो सकती हैं किंतु धर्म प्राप्त होना बहुत दुर्लभ हैं। सुख का मूल धर्म है तो दुख का मूल पाप हैं जब कष्ट ,विपत्ति ,दुख आये तो समझना यह मेरे ही पाप का फल है जो मैने बोया है वही मिल रहा है इसलिए दुर्लभ धर्म के महत्व को समझना चाहिए हमारे रोम–रोम में धर्म के प्रति आस्था एवं प्रेम होना चाहिए वस्तु का स्वभाव ही धर्म हैं आत्मा का स्वभाव क्षमा, सरलता तथा संतोष हैं पर क्या हम इस स्वभाव में हैं या अपना स्वभाव को छोड़कर रहते हैं यह चिंतनीय विषय है। जिस धर्म की चाहना देवों के देव भी करते हैं वह धर्म हमें मिला है। धर्म यह आकाश जैसे कि आकाश का कभी टुकड़ा या उसका विभाग नहीं किया जा सकता, वैसे ही धर्म कभी टुकड़ों मे नहीं बांट सकते उसका विभाग नहीं कर सकते। धर्म की आराधना उपयोग पूर्वक करना है। धर्म में अगर आपका मन नहीं लग रहा वह तो समझ लेना पाप का उदय हुआ है। अगर जिनवाणी जीवन में उतर रही है तो समझ लेना कि पुण्य का प्रभाव है। एकाग्रता से हमें धर्म आराधना करनी चाहिए। धर्म से जुड़ना चाहिए क्योंकि धर्म तो सुगति में ले जाता है। धर्म का मार्ग मोक्ष है तो धन का रास्ता नरक की ओर जाता है। धन अशाश्वत हैं, मोक्ष शाश्वत है, संपत्ति नाशवान है। आत्मा अजर, अमर हैं। आत्मा न तो जन्म लेती हैं और न मृत्यु को प्राप्त होती हैं। चौबीस घंटो में से है 23 घंटे पाप के और एक सामायिक करोगे तो आपका है। जो अपना है वह साथ जाएगा और जो अपना नहीं है वह यही पर रह जाएगा। बस इसी के अनुसार आप अगर धर्म आराधना करनी चाहिए। पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने बताया कि आज की धर्म सभा में सोहनलाल झामड़, धर्मीचंद कोठारी, अमरचंद भंडारी, शांतिलाल चोरड़िया, सुरेशचंद ललवानी, गौतमचंद गुगलिया समेत अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शुक्रवार को साहुकारपेट के एसएस भवन में साध्वी धर्मप्रभाश्री ने श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि क्रोधी मनुष्य कभी किसी का भी मित्र नहीं हो सकता है, जो उसे नरक के रास्ते पर ले जाता है। क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का ज्ञान नहीं होने देता। क्रोधी व्यक्ति आवेश में जितना दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करता ही है। लेकिन उसकी सारी अच्छाइयों और प्रतिष्ठा को में एक क्षण में मिट्टी में मिला देता है। गुस्से और क्रोध मे उसे भान नहीं रहता है कि वो सामने वाले के साथ वह कैसा व्यवहार कर रहा है। जिस कारण उसके अपने भी पराए बन जाते है। मनुष्य का सबसे बड़ा कोई दुश्मन है तो उसका क्रोध। मनुष्य को गुस्से और क्रोध में अपने अवगुण नजर नहीं आते, वह सामने वाले व्यक्ति के दोष को सही ठहराने कि कोशिश करता है। मौन वह साधना है, जिससे मनुष्य अपने गुस्से और क्रोध को शांत कर सकता है।

मनुष्य के जीवन में कितनी भी विपदाएं परिस्थितिया प्रतिकूल आ जाए, लेकिन क्रोध के दौरान अपने विवेक को नहीं खोये, शांत और मौन रहकर उन सभी बाधाओं का सामाधान शांति से खोज सकता है।

साध्वी स्नेहप्रभाजी ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि मनुष्य का क्रोध ज्वालामुखी की तरह है। ज्वालामुखी वो आग है जिसकी चपेट आने वाली सारी वस्तुओ को जलाकर राख बना देती है उसकी भांति व्यक्ति अपने गुस्से और क्रोध मे बेकाबू होकर अपना ही सर्वनाश कर लेता है। मनुष्य का क्रोध वो कषाय है जिससे सभी प्राणी को दुखी बना रखा है। क्रोध मूखर्ता से शुरू होता है और प्रश्चाताप पर खत्म। क्रोध के कारण मनुष्य एक पल मे हैवान बन जाता है। मनुष्य की वर्षो की साधना और तपस्या को क्रोध एक क्षण मे नष्ट कर देता है। क्रोध अज्ञान के सम्मान है। जो मनुष्य को कभी भी सुख नही दे सकता है। संघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने बताया कि धर्मसभा में महावीरचन्द कटारिया, सम्पतराज गुगलिया, प्रकाशचन्द कोठारी का साहुकारपेट संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया, सुरेश डूंगरवाल, बादलचन्द कोठारी हस्तीमल खटोड़, जितेन्द्र भंडारी आदि ने स्वागत किया।

धर्म और पुण्य कमाने के लिए भी पुरुषार्थ करना ही पड़ता है : मनीषप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां कोयम्बटूर खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, मनीषप्रभसागरजी, मतिषप्रभसागरजी जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के आराधना भवन में चातुर्मासार्थ विराजित हैं। इस मौके पर मनीषप्रभसागरजी ने कहा कि धन और धर्म जीवन के दो पहलू हैं। धन कमाने के लिए विशेष पुरुषार्थ करना पड़ता है, धर्म और पुण्य कमाने के लिए भी पुरुषार्थ करना पड़ता ही है। जीवन के लिए शरीर भी जरूरी है और आत्मा भी। अगर सच्चा जैन बनाना चाहते हो तो परिग्रह के पालन करे।

मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी ने ऋषभ जिनेश्वर गीतिका का माध्यम से प्रभु भक्ति गीत प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति जीवन का अभिन्न अंग है। जैन धर्म सिखाता है कि आत्मज्ञान का मार्ग अहिंसा के माध्यम से है और जितना संभव हो जीवित चीजों (पौधों और जानवरों सहित) को नुकसान कम करना है।

जहा दंभ है वहाँ धर्म नहीं हो सकता : आचार्य विज्ञानप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेपेरी जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित केसरसूरीजी सम्प्रदाय के गच्छाधिपति आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी ने कहा कि दूध में दही का जावण डालने मात्र से दही नहीं जमता किन्तु ढक कर स्थिर रखने से ही दही जमता है। वैसे ही प्रत्येक प्राणी में स्थिरता का महत्व जानना ही चाहिए। साधना में स्थिरता का अधिक महत्व दिया गया है। आज का मानव अस्थिर बना है। स्थिरता का मजा महसूस करने लायक है। यहाँ जो स्थिरता बताई है वो बगले की स्थिरता नहीं। जहा दंभ है वहाँ धर्म नहीं हो सकता। जहां धर्म है वहाँ दंभ नहीं हो सकता। कपटी लोग ज्यादा डोंग करते है। मानव करनी से ऊंचा और महान बनता है। दंभ का त्याग करते हुए वाणी में सौम्यता, नेत्र में निर्विकारिता, काया में अप्रमता भाव लाकर प्रशांत बनना है।

कर्मवीर कामराज का जन्मदिवस एवं छात्र प्रतिनिधियों का अलंकरण समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एजी जैन हायर सेकंडरी स्कूल में कर्मवीर कामराज का जन्मदिवस एवं छात्र प्रतिनिधियों का अलंकरण समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा प्रस्तुत सावयव(विभिन्न) रंगारंग प्रस्तुति थी। विद्यालय की सहगामी संस्था एजी जैन नर्सरी एवं प्राइमरी स्कूल के नौनिहालों ने स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी। छात्र प्रतिनिधियों का अलंकरण किया गया। कर्मवीर कामराज के प्राकट्य दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में छात्रों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया एवं विजित छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर मुख्यअतिथि के रूप में सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) एस संपत बालन एवं विशिष्ट अतिथि विज़न एकेडमी की प्रबंध निदेशक इंदु उमेश उपस्थित थे। बालन ने अपने भाषण में कामराज की बेदाग छवि एवं उत्कृष्ट जीवन पर प्रकाश डाला। इंदुमती ने छात्रों को उनके भविष्य के लिए सजग करते हुए कामराज के अनुशासनयुक्त जीवन को उद्धृत किया। कार्यक्रम में विद्यलाय के पत्राचारक गौतमचंद गोठी, सचिव उत्तमचंद बोहरा एवं विद्यालय प्रबंध समिति के राजेन्द्रन चोरडिया एवं प्रसन्नचंद चोरडिया उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य एस अरसू ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन आठवीं कक्षा के छात्र मास्टर चिराग शर्मा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के हिंदी पीजीटी जी. आनंदन ने किया।

मन की शुद्धि के लिए भी आहार-शुद्धि की आवश्यकता है : आचार्य देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ में चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान आहार विज्ञान के ऊपर अपने विचार प्रगट करते हुए आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने कहा कि भोजन को सात्विक, राजसिक और तमोगुणी, इन तीन भागों में विभाजित किया गया है। सात्विक भोजन को फलाहार की संज्ञा दी गई है। गाय के दूध से निर्मित पकवान– दूध, दही, मट्ठा, खोया आदि को भी फलाहार माना गया है। शास्त्रों में ऐसा निर्देश है कि अन्न से निर्मित भोजन कम से कम ग्रहण करना चाहिए और लवण का उपयोग इसमें भी कम से कम। भोजन की सात्विकता स्वास्थ्य और दीर्घ जीवन प्रदान करती है और स्वभाव को सरल, संयमित और उद्वेग रहित रखती है। जो लोग जीवन को सौद्देश्यपूर्ण जीना चाहते हैं उनको सात्विक सादा स्वल्प भोजन लेना चाहिए्। भोजन करते समय मौन रहना चाहिए्। चित्त को प्रसन्न रखें्। भोजन पचाने और रोगों से स्वयं को बचाने की आवश्यकता में परहेज और उपवास का उपचार करना चाहिए्।

आचार्यश्री ने कहा कि भक्ति के लिए राजसिक भोजन त्याज्य बताया गया है। तामसिक भोजन अभक्ष्य और अतिभक्षण है। मदिरा अथवा किसी नशे की लत के कारण आवश्यकता से अधिक भोजन तामसिक है। गलत तरीकों से अर्जित भोजन निषिद्ध है। सात्विक भोजन एकांत में करना चाहिए्। गरिष्ठ भोजन पचाने के लिए व्यायाम, भ्रमण करना चाहिए्। भोजन में विटामिन षट् रस के पर्याय है और हमें इनसे वांछित कैलोरी शरीर रक्षण और पोषण के लिए मिल जाती है। राजसिक भोजन सबके लिए नहीं है और तामसिक भोजन प्रमाद, निद्रा और तंद्रावर्धक है। आलस्य और रोगकारक होने से त्याज्य कहे जाते है। इसलिए शरीर की ही शुद्धि के लिए नहीं मन की शुद्धि के लिए भी आहार–शुद्धि की आवश्यकता है। इसी प्रकार जल और तेज की शुद्धि भी आवश्यक है। जब हमारा मन प्राण और वाणी स्वस्थ और संयमित रहेंगे तभी हमारा आध्यात्मिक विकास होगा और हम मुक्ति की ओर अग्रसर होंगे।

पाप से घबराना धार्मिकता की निशानी है : साध्वी डॉ. प्रतिभाश्रीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अक्कीपेट स्थित वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि दुख से घबराना कायरता की निशानी है और पाप से घबराना धार्मिकता की निशानी है। कडाण कमाण ण मोक्ख अत्थि अर्थात किए हुए कर्मों को भोगे बिना मुक्ति नहीं है। जीव हंसते हंसते कर्मों का बंध करता है पर भोगते समय आंसू आ जाते हैं। चार गति चौरासी लाख जीवयोनी में घूमने के बाद मनुष्य भव मिला है। मनुष्य भव जंक्शन के समान है हम निर्णय कर सकते हैं कि हमें कहां जाना है। अगर हम कोई यात्रा करते है तो उसकी तैयारी पहले से ही करते हैं। उसी तरह हमें भी इसलोक से परलोक की यात्रा करनी है उसकी तैयारी हमें इसी भव में करनी पड़ेगी। यह संसार एक रंगमंच है यहां राजा, रंक, चक्रवर्ती, सेठ, साहूकार हर तरह के व्यक्ति आते हैं और अपना अपना रोल अदा कर के विदा हो जाते है। व्यक्ति पाप कार्य छुपाता है और पुण्य कार्य छपाता है। जहां दया धर्म की बात आती है वहां धर्मरूचि अणगार का नाम सामने आता है। हमें कर्म सिद्धांत को समझना चाहिए। जैन धर्म भाव प्रधान धर्म है। विषमताओं में भी समता भाव रखना चाहिए। भाव बिगड़ेंगे तो भव बिगड़ता है। सुख में सब साथी है पर दुख में कोई साथ नहीं आता है।

इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि बुद्धि दो प्रकार होती है सद्बुद्धि और दुर्बुद्धि। परमात्मा महावीर स्वामी की बुद्धि सबसे श्रेष्ठ बुद्धि थी। सद्बुद्धि हमें सद्गति की ओर ले कर जाती है, दुर्बुद्धि हमें दुर्गति की ओर ले कर जाती है। इसलिए हमें हमेशा सद्बुद्धि का प्रयोग करना चाहिए्। साध्वीश्री ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने संचालन किया।

जीवन में करुणा, विवेक, नम्रता, दयालुता से ही ज्ञान सफल होता है : आचार्य उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी ने प्रवचन में बताया कि पृच्छा लोगों के हृदय के भाव खोलने का एक माध्यम है। इससे जिज्ञासा उत्पन्न होती है। पूछता वही है जो थोड़ा बहुत जानता है। जो व्यक्ति कुछ जानता ही नहीं और जानने की जिज्ञासा भी नहीं रखता है, वह प्रश्न नहीं पूछता। कभी किसी व्यक्ति को पूछने का अभिमान रहता है, इसलिए वह प्रश्न नहीं पूछता। प्रश्न जिज्ञासा और नम्रता रखने वाले ही करते हैं्। गौतम स्वामी वीतरागी भगवान से प्रश्न इसलिए पूछते हैं क्योंकि गौतम स्वामी सोचते हैं आखिरकार मैं छद्मस्थ हूं। मुझसे भी सुक्ष्म गलती हो सकती है। परमात्मा की कही हुई बात से पुष्टि हो जाती है। दूसरी बात अभिमान की मनोदृष्टि नहीं आ जाए इसलिए भी गौतम स्वामी प्रश्न पूछते हैं्।

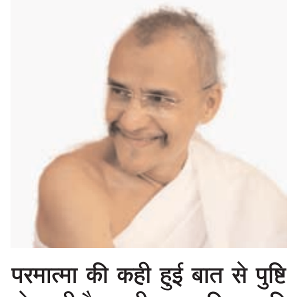

आचार्यश्री ने कहा हमें महापुरुषों की बातों से प्रेरणा मिलती है। ज्ञान तभी सफल है जब जीवन में करुणा, विवेक, नम्रता, दयालुता आए्। विवेक नहीं होने पर नम्रता नहीं आती। आचार्यश्री ने कहा परमात्मा से प्रार्थना करना व कामना करना दोनों अलग अलग बात है। हमें प्रार्थना करनी चाहिए, कामना नहीं्। हम परमात्मा का शासन पाकर परमात्व तत्व को प्राप्त कर सकते हैं्। परमात्मा के वचन सत्य से परिपूर्ण होते हैं्। पूर्व आचार्यों ने परमात्मा के आगम के वचनों को संजोकर सीरियल के रुप में बना दिया है। आगम सीधा आपकी समझ में नहीं आ सकता। उन्होंने कहा परमात्मा के प्रवचन सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। मन से स्वस्थ रहो लेकिन जीवन में पूर्व घटनाओं से शिक्षा लो। यदि पचक्खाण लेंगे तो यह निश्चित है, आप वह चीज नहीं करेंगे। यदि एक पचक्खाण टूट गया तो एक दिन का पाप ही लगेगा। पचक्खाण लेकर टूट जाना अतिचार है। पचक्खाण लेना नहीं है और ज्यादा पाप करना है, वह अनाचार है। अनाचार अपने सुसंस्कारों का 'अग्नि संस्कार' कर लेता है, इसलिए अनाचार से बचें्। अनाचार अनेक प्रकार के हैं स्त्री अनाचार, संपत्ति अनाचार, सत्ता अनाचार आदि।

उपासना से बढ़कर हैं परोपकार और नि:स्वार्थ सेवा : साध्वी भव्यगुणाश्री

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जो लोग निष्काम होकर संसार की सेवा करते हैं, जो लोग संसार के उपकार में अपना जीवन अर्पण करते हैं, जो लोग मुक्ति का लोभ भी त्यागकर प्रभु के निर्बल संतानों की सेवा–सहायता में अपना योगदान देते हैं उन त्यागी महापुरुषों का भजन स्वयं ईश्वर करता है।

परोपकार और नि:स्वार्थ लोकसेवा किसी भी उपासना से बढ़कर हैं। भगवान दीनदयालु हैं, उन्हें खुशामद नहीं भाती बल्कि आचरण भाता है। सच्ची भक्ति तो यही है कि परोपकार करो, दीन–दुखियों का हित–साधन करो। अनाथ, विधवा, किसान व निर्धन आज अत्याचारियों से सताए जाते हैं इनकी यथाशक्ति सहायता और सेवा करो और यही परम भक्ति है। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि परोपकार से बड़ा कुछ भी नहीं और जो परोपकार करते हैं वही भगवान के सबसे प्रिय होते हैं।

जो व्यक्ति नि:स्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करने के लिए आगे आते हैं, परमात्मा हर समय उनके कल्याण के लिए यत्न करता है। हमारे पूर्वजों ने कहा भी है परोपकाराय पुण्याय भवति अर्थात दूसरों के लिए जीना, दूसरों की सेवा को ही पूजा समझकर कर्म करना, परोपकार के लिए अपने जीवन को सार्थक बनाना ही सबसे बड़ा पुण्य है। जब आप भी ऐसा करेंगे तो स्वतः ही आप वह ईश्वर के प्रिय भक्तों में शामिल हो जाएंगे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.